केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 353 बुधवार 17 जुलाई 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

युवक की करंट लगने से मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। लालगंज थानाक्षेत्र के देईसांड़ बाजार मेंसंदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत हो गई। प्रियांशु शुक्ला (25) उर्फ नवीन पुत्र नरेंद्र शुक्ला, जो नेवी में कार्यरत था। वह तीन–चार दिन पहले ही छुट्टी लेकर घर आया था। नवीन अपने कमरे में अचेत पड़ा मिला।

परिजनों ने नवीन को जगाने का प्रयास किया तो कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। आनन–फानन में परिजन निजी साधन से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनकटी पहुंचे। जहां से डॉक्टर ने स्थित को गंभीर देखते हुए ओपेक हॉस्पिटल कैली के लिए रेफर कर दिया। परिजन नवीन को लेकर कैली हॉस्पिटल पहुंचे, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

परिजनों के अनुसार नवीन कमरे के छत में लगे पंखे को सही कर रहा था और उसे करंट लग गया। नवीन दो भाइयों में दूसरे नंबर पर था। दो बहनें भी हैं। पूरे परिवार का रो–रो कर बुरा हाल है। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है।

भू–जल सरक्षण के लिये प्रचार वाहन रवाना

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भू–जल संरक्षण नियंत्रण एवं विकास का संदेश आम जनता/छात्र–छात्राओं तक पहुँचाने और जागरूकता लाने के उद्देश्य से 16 से 22 जुलाई के मध्य भू–जल सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने भू–जल सप्ताह के आयोजन हेतु कलेक्ट्रेट परिसर से प्रचार वाहन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया और बताया कि भू–जल सप्ताह का उद्देश्य जल संरक्षण का है। जल ही जीवन की आस है। जनहित में जल संरक्षण बहुत आवश्यक है।

सीनियर हाइड्रोलाजिस्ट राहुल कुमार शर्मा ने बताया कि भूगर्भ जल विभाग खण्ड बस्ती के कार्मिको द्वारा जनमानस को जागरूक किये जाने हेतु प्रचार–प्रसार सामाग्री का भी वितरण किया जा रहा है। आयोजन में छात्र–छात्राओं व शिक्षको की भूमिका महत्वपूर्ण है। वर्तमान व भविष्य में जल संचयन परमआवश्यक है। उन्होने बताया कि जल संचयन से संबंधित रंगोली, चित्रकला, निबन्ध जैसी प्रतियोगिताए भी आयोजित करायी जायेंगी। सभी लोग भविष्य को सुरक्षित करने के लिए जल संचयन अवश्य करें।

शादी अनुदान स्वीकृत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिलाधिकारी रवीश गुप्ता की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा संचालित अन्य पिछड़े वर्ग के (अल्पसंख्यक पिछड़े वर्ग को छोड़कर) गरीब व्यक्तियों की पुत्रियों की शादी हेतु शादी अनुदान योजनान्तर्गत जनपदीय अनुश्रवण समिति एवं जनपद स्तरीय शादी अनुदान स्वीकृति समिति की बैठक सम्पन्न हुआ, जिसमें समिति द्वारा भौतिक लक्ष्य 1304 के सापेक्ष रू 260.80 लाख वित्तीय व्यय की नियमानुसार स्वीकृति प्रदान की गयी।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जयदेव सी.एस., पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी रेखा गुप्ता, विधायक प्रतिनिधि कप्तानगंज गुलाब चन्द्र सोनकर, हर्रैया के सरोज कुमार मिश्रा, सदर के मो. सलीम सहित संबंधित विभागीय अधिकारी गण उपस्थित रहें।

एम.डी.ए. 10 से

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत सर्वजन औषधिसेवन (एम.डी.ए.) का कार्यक्रम आगामी 10 अगस्त से 02 सितम्बर 2024 तक संचालित किया जायेंगा। विकास भवन सभागार में आयोजित राष्ट्रीय वेक्टरजनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम की जनपद स्तरीय प्रथम अन्तर्विभागीय समन्वय समिति की बैठक में जिला विकास अधिकारी अजय सिंह ने उक्त जानकारी दिया।

अब नही चलेगा लखनऊ के तीन कालोनियों पर बुलडोजर

लखनऊ (आभा)। कुकरैल रिवरफ्रंट के दायरे में आने वाले रहीमनगर, खुर्रमनगर, पंतनगर, इंद्रप्रस्थनगर और अबरारनगर में रहने वाले लोगों के मकान नहीं तोड़े जाएंगे। मंगलवार को इन इलाकों के निवासियों के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की और अपनी बात रखी। मुलाकात के बाद प्रतिनिधिमंडल में शामिल लोगों ने बताया कि मुख्यमत्री योगी ने हमें पूरा भरोसा दिलाया कि जिन लोगों के मकान की रजिस्ट्री है वो मकान नहीं तोड़े जाएंगे और जिन अफसरों ने लोगों में दहशत फैलाई है। उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

प्रतिनिधिमंडल में शामिल निशा झा ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी ने हमारी बात सुनी और कहा कि अवैध निर्माण को तोड़ा जा रहा है

उन मकानों को बिल्कुल नहीं तोड़ा जाएगा जिनकी रजिस्ट्री है। जिन मकानों की रजिस्ट्री है ये उनका हक है कि वो उन्हीं घरों में रहें। निशा झा ने बताया कि हम लोगों के लिए ये बड़ी राहत की बात है। हमने एक सप्ताह से ठीक से खाना नहीं खाया है। रहीम नगर की गुंजन शुक्ला ने कहा कि योगी जी ने हमारा साथ दिया और हमारे बच्चों और परिवार का ख्याल रखा।

इसके पहले कुकरैल रिवरफ्रंट के दायरे में अकबरनगर के बाद आए रहीमनगर, खुर्रमनगर, पंतनगर, इंद्रप्रस्थनगर और अबरारनगर के लोग अपने घरों को अवैध बताकर लाल निशान लगाए जाने से काफी गुस्से और दुख में थे। शनिवार, रविवार को इसके विरोध में अलग–अलग तरह से प्रदर्शन करने वाले इलाके के लोग सोमवार रात अचानक शंख, ढोल, नगाड़े बजाने लगे। कुकरैल किनारे हर्ष की बारिश होने लगी।

स्थानीय लोग सीएम योगी आदित्यनाथ, बाबा गोरखनाथ की जय–जयकार करने लगे। रिवरफ्रंट के दायरे में आए रहीमनगर के विजय शुक्ला ने बताया कि सरकार ने उनकी गुहार सुन ली है। फिलहाल उनके घरों के ध्वस्तीकरण पर रोक लगा दी गई है। राहुल शर्मा ने कहा, हम यही नहीं समझ पा रहे थे कि हमारे घर अवैध कैसे हो गए हैं? मांग की जा रही थी कि ध्वस्तीकरण को रोका जाए। हमारी मांग मानकर बड़ी राहत दी गई है। गुंजन शुक्ला ने खुश होकर कहा कि अब हमारे घर नहीं तोड़े जाएंगे।

एक हजार में रजिस्टर्ड किराएदारी, पैतृक संपत्तियों का बंटवारा भी होगा सस्ता

लखनऊ (आभा)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर स्टांप एवं रजिस्ट्रेशन विभाग उत्तर प्रदेश स्टांप नियमावली में संशोधन करते हुए जनता को सीधे राहत देने जा रहा है। इसमें दो संशोधन किए जाएंगे। पहला संशोधन उत्तर प्रदेश रेंट कंट्रोल एक्ट के तहत मकान मालिक और किराएदार के बीच मात्र 500 से 1000 रुपये के बीच पंजीकृत एग्रीमेंट की सुविधा देने की है। दूसरा–पैतृक संपत्तियों के बंटवारे के लिए 30 फीसदी स्टांप शुल्क के स्थान पर नाम मात्र का शुल्क लिया जाएगा। संशोधन का मसौदा तैयार कर लिया गया है। जल्द ही इसे कैबिनेट की मंजूरी के लिए रखा जाएगा।केंद्र सरकार ने आदर्श किराएदारी अधिनियम–2021 में बनाते हुए देश के सभी राज्यों को भेजा था। राज्यों को इसके आधार पर अपने यहां कानून बनाना था। यूपी में भी यह कानून बन चुका है। इसमें मकान मालिक और किराएदारों के हितों के संरक्षण की बात कही गई है। दोनों का हित तभी संरक्षित हो सकता है, जब वह पंजीकृत किराएनामे पर एग्रीमेंट करेगा।

थाने के अंदर बेटे ने मां को जिंदा जलाया

अलीगढ़ (आभा)। खैर थाने के अंदर मंगलवार को एक कलयुगी बेटे ने अपनी मां को जिंदा जलाने की घटना को अंजाम दे डाला। बेटे ने लाइटर से मां के कपड़ों में आग लगा दी। आग बढ़ने पर महिला की चीख–पुकार सुनकर थाने में मौजूद पुलिसकर्मियों ने कंबल से महिला पर लगी आग बुझाई। इस दौरान दो पुलिस कर्मियों के हाथ भी झुलस गए। महिला को गंभीर हालत में जेएन मेडीकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उधर पुलिस ने बेटे को हिरासत में ले पूछताछ शुरू कर दी। वहीं, पूरी घटनाक्रम थाने के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

एसएसपी संजीव सुमन ने बताया कि 50 साल की हेमलता का अपने सुसरालजनों से कब्जे और जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। पति की मौत पहले ही हो चुकी है।

बस्ती रेडक्रास सोसायटी को राज्यपाल ने दिया एवार्ड

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कोराना संकट काल के साथ ही विषम परिस्थितियों में सेवा के लिये राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल ने उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के साथ ही रेडक्रास के अनेक पदाधिकारियों, सदस्यों की मौजूदगी में वार्षिक सामान्य बैठक के दौरान राज्यपाल भवन में बस्ती रेडक्रास सोसायटी को एवार्ड देकर उत्साहवर्धन किया।

रेडक्रास सचिव कुलवेन्द्र सिंह और कुलदीप सिंह ने एवार्ड ग्रहण करने के बाद कहा कि सेवा के क्षेत्र में योगदान निरन्तर जारी रहेगा। कुलवेन्द्र सिंह ने बताया कि रेडक्रास द्वारा निरन्तर पीड़ितों की सेवा का क्रम दिशा निर्देश के अनुरूप जारी है। राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल द्वारा मिले एवार्ड से और बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिली है।

एवार्ड प्राप्त करने के दौरान राजेन्द्र सिंह, राजावत, अजय सिंह बडकऊ, काजी फरजान, सरदार दिपेन्द्र सिंह एडवोकेट आदि उपस्थित रहे।

18 वर्ष से कम आयु के छात्रों के वाहन चलाने पर लगाये अंकुश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिलाधिकारी रवीश गुप्ता की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा आगामी 22 जुलाई 2024 तक विद्यालय में पंजीकृत समस्त वाहनों के फिटनेस एवं परमिट अद्यतन/अपडेट कराने के लिए समस्त प्रबंधकों/प्रधानाचार्यों को निर्देश दिया गया। साथ ही विद्यालय के नाम तथा मानक के अनुरूप पंजीकृत वाहनों से ही बच्चों को लाने व ले जाने का कार्य किया जाये।

उन्होने कहा कि 18 वर्ष से कम आयु के छात्र/छात्राएँ यदि अपना निजी वाहन चलाकर स्कूल आते हैं, तो ऐसी प्रवृत्ति पर अंकुश लगाया जाये। अनाधिकृत रूप से स्कूल में बच्चों को लाने व ले जाने हेतु प्रयोग किये जाने वाले आटो/टैम्पो पर स्कूल प्रबंधक व अभिभावक आपसी सामन्जस्य बनाकर रोक लगायें। जनपद के समस्त विद्यालयों में नोडल अध्यापक एवं समस्त कक्षाओं में एक विद्यार्थी को रोड सेफ्टी कैप्टन के रूप में नामित कर छात्र/छात्राओं को प्रतिदिन सड़क सुरक्षा के सम्बन्ध में जानकारी दिये जाने के साथ–साथ परिवहन विभाग को विद्यालयवार नामित नोडल अध्यापकों की सूची उपलब्ध कराई जाये।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जयदेव सी.एस., मुख्य चिकित्साधिकारी डा. आर.एस. दुबे, सचिव/एआरटीओ पंकज सिंह, बेसिक शिक्षा अधिकारी अनूप तिवारी, जिला विद्यालय निरीक्षक जगदीश शुक्ला, सम्भागीय निरीक्षक (प्राविधिक) संजय कुमार दास, यातायात निरीक्षक कामेश्वर सिंह, सहायक अभियंता पी0डब्लू0डी0, अपर जिला सूचना अधिकारी हितेन्द्र कुमार, प्रबंधक/प्रधानाचार्य जयपुरिया स्कूल, लिटिल फ्लावर, जी0आर0एस0 पब्लिक स्कूल, कपिल गंगा पब्लिक स्कूल, उर्मिला एजूकेशनल एकेडमी, सरला इण्टरनेशनल एकेडमी, सरस्वती विद्या मंदिर रामबाग, जी0वी0एम0 कान्वेंट स्कूल, अध्यक्ष टैम्पो/टैक्सी यूनियन देवेन्द्र सिंह उपस्थित रहे।

पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर गरजे कर्मचारी, पद यात्रा निकालकर सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मंगलवार को राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर जिलाध्यक्ष मस्तराम वर्मा के नेतृत्व में परिषद से जुड़े अनेक विभागीय संगठनों के पदाधिकारियों, कर्मचारियों ने पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर पद यात्रा निकाली। इसके बाद प्रधानमंत्री, वित्त मंत्री और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को सम्बोधित जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से भेजा गया। मंगलवार को लगभग 3 बजे बड़ी संख्या में कर्मचारी नलकूप कालोनी परिसर में एकत्र हुये और यहां से मांगों के समर्थन में नारे लगाते हुये जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर अनुस्मारक ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन सौंपने के बाद परिषद के जिलाध्यक्ष मस्तराम वर्मा, कार्यवाहक अध्यक्ष रामधार पाल, जिला मंत्री तौलू प्रसाद ने कहा कि लम्बे समय से कर्मचारी पुरानी पेंशन बहाल किये जाने की मांग को लेकर

चरणबद्ध ढंग से आन्दोलित हैं। अनेकों बार आन्दोलन, धरना, प्रदर्शन, ज्ञापन सौंपा गया किन्तु सरकार अपनी हठवादी रवैया छोड़ने को तैयार नही हैं। कर्मचारी नेताओं ने संयुक्त रूप से कहा कि पेंशन कर्मचारियो के बुढापे का आधार और उनका अधिकार है। इसे हर हाल में लेकर रहेंगे। कर्मचारी इसके लिये हर स्तर पर कुरबानी देने को तैयार है।

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के मण्डलीय मंत्री ई. राजेश श्रीवास्तव, अधीनस्थ कृषि सेवा संघ के अध्यक्ष अभिषेक कुमार, बोरिंग टेक्निशियन लघु सिंचाई संघ के अध्यक्ष सुभाष पाण्डेय, कृषि मिनीस्ट्रीयल अध्यक्ष सचिन पाण्डेय, पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ अध्यक्ष अजय आर्य, डिप्लोमा इंजीनियर महासंघ अध्यक्ष ई. अभिषेक सिंह, सिंचाई संघ अध्यक्ष सुभाष मिश्र, विकास भवन कर्मचारी संघ के महामंत्री ओम प्रकाश, चतुर्थ श्रेणी सिंचाई विभाग अध्यक्ष रामचरन, सेवा निवृत्त कल्याण संस्था अध्यक्ष जलालुद्दीन कुरेशी आदि ने कहा कि जब तक पुरानी पेंशन बहाल नहीं हो जाती कर्मचारी चुप नहीं बैठेंगे। सरकार को पुरानी पेंशन बहाल करना ही होगा।

पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर निकली पद यात्रा में मुख्य रूप से सन्तोष राव, मनोज चौहान, प्रमोद कुमार, मन्शाराम, शैलेन्द्र त्रिपाठी, रामस्वारथ चौधरी, अशोक सिंह, लालजी कन्नौजिया, बलराम यादव, राजेश कुमार, पेशकार, मो. कलीम, बद्री प्रसाद चौधरी, उमेश वर्मा, बजरंगी, आशुतोष पटेल, पवन पाण्डेय, शिव कुमार यादव, संजय यादव, मो. अशरफ, गौरीशंकर, विमल कुमार आनन्द, रूद्रनरायन रूदल, अम्बिका प्रसाद वैश्य, दिलीप, विजय वर्मा, राम बहादुर, हनुमान शरण, असलम अंसारी, रीता चौधरी, के साथ ही बड़ी संख्या में परिषद से सम्बद्ध विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, कर्मचारी शामिल रहे।

शिक्षकों की डिजिटल अटेंडेंस व्यवस्था अग्रिम आदेश तक के लिए स्थगित

लखनऊ (आभा)। प्रदेश में परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों का डिजिटल अटेंडेंस लगाने संबंधित निर्णय अगले आदेश तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। यह निर्णय मंगलवार को मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह के साथ हुई शिक्षक संगठनों की बीतचीत के बाद लिया गया है। वहीं,शिक्षकों की समस्याओं व सुझावों को सुनने व समाधान के लिए एक विशेषज्ञ समिति भी गठित की जाएगी। जो सभी आयामों पर विचार कर इसमें सुधार के लिए अपने सुझाव देगी। बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा पिछले दिनों यह आदेश जारी किया गया कि आठ जुलाई से परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों की डिजिटल अटेंडेंस लगेगी। इसके साथ ही स्कूलों के एक दर्जन रजिस्टर भी डिजिटल अपडेट होंगे। शिक्षकों ने इस निर्णय का विरोध किया और आठ जुलाई से पूरे प्रदेश में धरना–प्रदर्शन, विरोध शुरू कर दिया। सोमवार को भी शिक्षकों ने पूरे प्रदेश में जिला मुख्यालय व बीएसए कार्यालय पर प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन दिया था।

दूसरी तरफ महानिदेशक स्कूल शिक्षा से वार्ता स्थगित होने के बाद मंगलवार को मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने शिक्षक संगठनों को वार्ता के लिए लोक भवन में बुलाया। इसमें उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा, उत्तर प्रदेश महिला शिक्षक संघ की प्रदेश अध्यक्ष सुलोचना मौर्य, उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाईस्कूल (पूर्व माध्यमिक) शिक्षक संघ के प्रांतीय अध्यक्ष अपूर्व दीक्षित आदि शामिल

हुए। वार्ता में शिक्षकों ने व्यवहारिक दिक्कतों के साथ 31 ईएल, हाफडे, मेडिकल सुविधा, पांच दिन लेट लाने पर अनुपस्थित न माने जाने, शिक्षक से डाटा इंट्री का काम न लेने, विभागीय कार्यालयों में डिजिटल अटेंडेंस लागू करने की मांग उठाई।

मुख्य सचिव ने शिक्षकों की दिक्कतों को देखते हुए डिजिटल अटेंडेंस अगले आदेश तक के लिए स्थगित करने की बात कही। इसके साथ ही शिक्षकों की समस्याओं व सुझावों को सुनने के लिए एक विशेषज्ञ समिति को गठित करने का निर्णय लिया। यह कमेटी शिक्षकों की समस्याओं व सुझावों को सुनकर अपनी रिपोर्ट देगी। उन्होंने बताया कि इस कमेटी में शिक्षा विभाग के अधिकारी, शिक्षक संघ के प्रतिनिधि, शिक्षाविद शामिल होंगे। समिति सभी आयामों पर विचार कर सुधार के लिए अपने सुझाव देगी। कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर फैसला लिया जाएगा। बैठक में माध्यमिक शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार, बेसिक शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. शंमुग्गा सुंदरम, महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा आदि अधिकारी उपस्थित थे।

उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष सुशील पांडेय ने कहा कि शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशकों की समस्याओं के समाधान होने तक मोर्चे के पूर्व घोषित कार्यक्रम यथावत रहेंगे। 29 जुलाई को बेसिक शिक्षा निदेशालय का घेराव किया जाएगा। शिक्षामित्र में संघ के प्रदेश महामंत्री सुशील यादव ने शिक्षामित्रों की समस्याओं का समाधान न होने तक आंदोलन जारी रखने की बात कही। इस क्रम में 25 जुलाई को जिलों में प्रदर्शन, 29 जुलाई को बेसिक शिक्षा निदेशालय का घेराव और पांच सितंबर को लखनऊ में डेरा डालने का निर्णय लिया गया है।

बैठक में अटेवा के प्रदेश अध्यक्ष विजय बंधु, विशिष्ट बीटीसी शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष संतोष तिवारी, सुशील पांडेय, रमेश मिश्रा, संतोष तिवारी, विक्रम सिंह, मोहम्मद अशरफ आदि उपस्थित थे। वहीं उत्तर प्रदेश बीटीसी शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अनिल यादव ने भी आंदोलन जारी रखने की घोषणा की है।

ऑन लाइन डिजिटल व्यवस्था दो माह के लिये स्थगित करना धोखा– उदयशंकर शुक्ल

-विभागीय आन प्लेटफार्म और व्हाट्सेप ग्रुपो से लेफ्ट हो गये शिक्षक-शिक्षक संकुलों ने प्रतिनियुक्ति पद से त्याग पत्र दिया

-महानिदेशक लखनऊ के कार्यालय पर धरना, घेराव 29 को

-भविष्य में संयुक्त मोर्चा के बैनर तले होंगे आन्दोलन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मंगलवार को शिक्षक, शिक्षा मित्र, अनुदेशक कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के आवाहन पर जनपद के सभी विकास क्षेत्रों के शिक्षक संकुल ने अपने प्रतिनियुक्ति के पद से त्याग पत्र दे दिया। जनपद के शिक्षक विभागीय आन प्लेटफार्म और व्हाट्सेप ग्रुपो से लेफ्ट हो गये हैं। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष एवं मोर्चा संयोजक उदयशंकर शुक्ल ने यह जानकारी देते हुये बताया कि शिक्षकों के दबाव के चलते प्रदेश सरकार ने दो माह के लिये ऑन लाइन डिजिटल व्यवस्था स्थगित कर दिया है किन्तु यह पर्याप्त नहीं है। यह शिक्षकों के साथ धोखा है। जब तब ऑन लाइन डिजिटल व्यवस्था का आदेश वापस नहीं होता चरणबद्ध ढंग से आन्दोलन जारी रहेगा। बताया कि आगामी 29 जुलाई को मोर्चा प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर महानिदेशक लखनऊ के कार्यालय पर धरना, प्रदर्शन कर घेराव किया जायेगा जिसमें बस्ती से हजारों की संख्या में शिक्षक और मोर्चा संयोजक, सह संयोजक एवं 15 संगठनों के सदस्य हिस्सा लेंगे।

मोर्चा संयोजक उदयशंकर

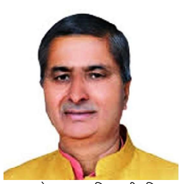

शुक्ल ने बताया कि सभी शिक्षक विद्यालय समय में स्मार्ट फोन बंद रखेंगे और आवश्यकता पड़ने पर की पैड मोबाइल का ही प्रयोग करेंगे। बताया कि परसुरामपुर 53, रामनगर 50, सल्टौआ 55, गौर 65, कुदरहा 45, बनकटी 60, साऊंघाट 33, रूधौली 35, नगर क्षेत्र 5, कप्तानगंज 35, विक्रमजोत 33, हर्रैया 55, बहादुरपुर 50 और दुबौलिया के 34 शिक्षक संकुलों ने त्याग पत्र दे दिया है।

मंगलवार को मोर्चा पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, मुख्य विकास अधिकारी, संयुक्त शिक्षा निदेशक, सहायक शिक्षा निदेशक बस्ती मण्डल, जिला विद्यालय निरीक्षक जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी और वित्त एवं लेखाधिकारी शिक्षा को पत्र प्राप्त कराकर अवगत कराया है कि भविष्य में शिक्षक, शिक्षा मित्र, अनुदेशक, कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं को प्रत्येक फोरम पर रखा जायेगा। आवश्यकता पड़ने पर संयुक्त मोर्चा के बैनर तले धरना, प्रदर्शन व अन्य कार्यक्रम होंगे। पत्र देने वालों में मोर्चा के पदाधिकारी अखिलेश मिश्र, राघवेन्द्र प्रताप सिंह, शैल शुक्ल, रजनीश मिश्र, शशिकान्त धर द्विवेदी, विजय प्रकाश चौधरी, सुभाष चन्द्र, अजय चौधरी, डा. सुनील यादव, रामभरत, अभिनव कश्यप, सुरेन्द्र चौधरी आदि शामिल रहे।

कैंसर पीड़ित और प्लास्टिक एनीमिया से पीड़ित मरीजों को रोटरी सेंट्रल उपलब्ध करायेगा रक्त

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रोटरी क्लब बस्ती सेन्ट्रल द्वारा सेवा ब्लड एंड कम्पोनेंट सेंटर पर स्वैच्छिक रक्तदान उत्सव का आयोजन किया गया। रोटेरियन मनीष कुमार सिंह, उत्कर्ष, हिमांशु, हरेन्द्र कुमार मिश्रा, विष्णु देव पाण्डेय, धनंजय सिंह, ऋषि श्रीवास्तव, पवन, अनिल कुमार के द्वारा रक्तदान किया गया।

रक्तकोष अधिकारी डॉ अनिल कुमार श्रीवास्तव, रोटेरियन एल. के. पाण्डेय ने रक्तदान के संबंध में फैली भ्रांतियां को दूर करते हुए जागरूक किया गया। कहा कि आपके रक्तदान से औरों का जीवन बचता है। गर्भवती महिलाओं, दुर्घटना में ग्रसित, कैंसर के मरीज, प्लास्टिक एनीमिया के मरीजों के काम आता है दुनिया मे रक्त दान से बड़ा कोई दान नही है।

क्लब द्वारा प्लास्टिक एनीमिया

—आपका एक यूनिट ब्लैड किसी परिवार को तबाह होने से बचा लेता है— एल. के. पाण्डेय

और कैंसर के मरीज को ब्लड और प्लेटलेट उपलब्ध कराया गया और भविष्य में भी उपलब्ध कराने का भरोसा दिया गया।

कार्यक्रम में क्लब अध्यक्ष वामिक मिराज, मुनीरउद्दीन अहमद, आशीष वाधवानी, हिमांशु, राजकुमार पाण्डेय, मनीष कुमार सिंह, उत्कर्ष, साधना शर्मा, राजेश सिंह, सलमा खातून, रामायण सर, चंद्रभान सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजक क्लब सचिव एल. के. पाण्डेय, मनीष कुमार सिंह ने आये हुए लोगो के प्रति आभार व्यक्त किया।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 17 जुलाई 2024 बुधवार

सम्पादकीय

आसमान पर सब्जियों के दाम

महँगाई का अर्थ होता है वस्तुओं की कीमत में वृद्धि होना। इस महँगाई पर ही पूरे देश की अर्थव्यवस्था टिकी होती है। मँहगाई मनुष्य के जीवन शैली को प्रभावित करती है। आज समाज की यह प्रमुख समस्या है जिसने उच्च, मध्यम व निम्न सभी वर्गों की कमर तोड़ रखी है।सब्जियों की महंगाई ने रसोई का जायका बिगाड़ दिया है। आलू, टमाटर, हरी सब्जियों के भाव बदलते मौसम में आसमान छू रहा है। बारिश के मौसम में बढ़ते दामों ने आम आदमी का पसीने छुड़ा रहा है। खुदरा बाजार ही नहीं थोक बाजार में भी भाव में उछाल है। कुछ दिन पहले तक जो 40—50 रुपये प्रतिकिलो बिकने वाला टमाटर 100 रुपया के पार चला गया है। इस हिसाब से एक टमाटर 10 रुपया के करीब पड़ रहा है। टमाटर के लाल होने के साथ आलू के भाव भी बढ़े हुए है। खुदरा बाजार में 40—50 रुपया प्रतिकिलो बिक रहा है। बारिश की वजह से आवक कम होने से फिलहाल भाव घटता हुआ भी दिखाई नहीं पड़ रहा है।

आलू, प्याज, टमाटर ही नहीं दूसरी सब्जियों के दाम में भी अचानक से वृद्धि हो गई है। प्याज टमाटर के बिना सब्जी का जायका नहीं आता है। लिहाजा महंगाई ने सभी सब्जियों का जायका बिगाड़ कर रख दिया है। 30—40 रुपये प्रतिकिलो बिकने वाली भिंडी 100—120 रुपये प्रतिकिलो बिक रही है। रेहड़ी—पटरी पर बिकने वाली सभी सब्जियों के भाव पिछले 10 दिनों की तुलना में तीन गुने हो गए हैं। हालांकि थोक मंडी में भाव में उतनी वृद्धि नहीं हुई है, जितनी खुदरा बाजार की दुकानों में हुई है। बीस और शिमला मिर्च का तीखापन भी बढ़ गया है। इनके भाव भी 100 रुपये प्रतिकिलो के पार चले गए है।

व्यापारियों का कहना है कि पहाड़ी क्षेत्र से सब्जियों की आवक कम हो गई है। बरसात के कारण सब्जियों की आवक कम हो जाती है। खेतों में पानी भरने की वजह से सब्जियों का उत्पादन भी कम हो जाता है। इससे फसलें खराब भी होती हैं। यूपी, पंजाब के कोल्ड स्टोरेज में आलू इस बार कम रखा गया था। हरी सब्जियों के बारिश के कारण खराब होने की वजह से हरी सब्जियों की महंगाई पर भी असर डाला है। हालांकि उन्होंने कहा कि खुदरा बाजार में भाव ज्यादा है। थोक भाव में आलू 22—32 रुपया प्रतिकिलो है। इसी तरह प्याज 27—35 रुपया और लहसुन 120—150 रुपया बिक रहा है।

उधर, रेहड़ी—पटरी पर सब्जी बेचने वालों का हना है कि बारिश की वजह से आलू—प्याज और टमाटर की जो बोरी आती है उसमें एक चौथाई सड़े हुए निकलते है। बिक्री करने के लिए उन्हें पहले छांटना पड़ता है। क्योंकि ग्राहक एक एक टमाटर को देखकर ही तौल कराते है। ऐसे में भाव बढ़ा कर बेचने की मजबूरी है। हरी सब्जियां गर्मी, उमस और बारिश की वजह से जल्दी खराब होती है। रेफ्रिजेटर तो है नहीं लिहाजा थोक मंडी से कम सब्जियां खरीदते है, इस वजह से थोक मंडी में भी ऊंचे कीमत चुकाने की मजबूरी है।

सब्जियों की महंगाई में लगी आग से हर वर्ग परेशान है। बिक्रेता सब्जियों के भाव किलो की जगह पाव में बता रहे है। क्योंकि किलो का भाव बताते ही ग्राहक मोल—भाव करने लगते है। यही वजह है कि किलो की जगह पाव में भाव बताया जा रहा है। 500 रुपये में भी सब्जियों से झोला भरना महंगाई की वजह से मुश्किल हो रहा है। उधार, दलहन के भाव बढ़ने से भी हरी सब्जियों की कीमत पर प्रभाव पड़ रहा है। पहले गर्मी और बारिश की वजह से आगामी दिनों में भी यही भाव रहने के आसार हैं।

आजादी के बाद भारत में तीन चीजें हमेशा बढ़ती रही हैं भ्रष्टाचार, असमानता और महँगाई। ये तीनों सगी बहनें हैं। ये एक साथ बढ़ती हैं। भ्रष्टाचार बढ़ता है तो धनवान और धनी होते जाते हैं और गरीब बिल्कुल लगोंटी धारी हो जाते हैं। काले धन के कारण कालाबाजारी बढ़ती है। उससे मँहगाई बढ़ती है। सामान्य जनता पर महँगाई का सबसे अधिक प्रभाव पड़ता है। उसके पास सीमित पूँजी होती है और उसकी खरीदने की शक्ति कमजोर हो जाती है। इससे लोग परेशान हैं।

शिक्षा के दृष्टिकोण पर पुनर्विचार जरूरी

—अविजित पाठक—

यह सवाल अकसर सामने आ खड़ा होता है कि क्यों शिक्षा पर लिखना जारी रखा जाये। शायद, इसलिए कि 'शिक्षा' को लेकर जो प्रचलित परिभाषाएं समाज ने बना रखी हैं, उनसे सहमत होना मुश्किल है। शिक्षा के अर्थ, वर्तमान युग में आम समझ के अनुसार मुख्यतः तीन हैं रू (अ) शिक्षा एक प्रकार का 'प्रशिक्षण' है या 'कौशल सीखने' का जरिया (ब) शिक्षा एक किस्म से पायदान—दर—पायदान चढ़ते हुए सीखना है या यह वह राह है जिससे होकर कोई एक खास शैक्षणिक विशेषज्ञता वाली विधा में 'विशेषज्ञ' बनता है (स) यह किसी छात्र को एक 'संसाधन' में परिवर्तित करती है, जिसका उपयोग किसी आर्थिक—सैन्य—तकनीकी प्रयोजन में हो। लेकिन फिर, शिक्षा को लेकर रखे गए ऐसे संकुचित, उपयोगितावादी, तकनीकी रुख से असहज होना स्वाभाविक है। कारण यह कि यदि शिक्षा हमारे अंदर मानवीयता, सौंदर्य बोध, नैतिकता, आध्यात्मिकता की समझ को सक्रिय न कर पाए तो यह खराब एवं खतरनाक बनी रहेगी, भले ही यह देश की आर्थिक वृद्धि दर में बढ़ोतरी के लिए 'कुशल' श्रम शक्ति क्यों न पैदा करती हो या तकनीकी—सैन्य क्षेत्र के लिए 'मानव संसाधन' पैदा करने वाली हो या फिर किसी कॉलेज, यूनिवर्सिटी को 'टॉप रैंकिंग' दिलवाने हेतु हजारों की संख्या में रिसर्च पेपर तैयार करने वाली हो।

इस मामले में सख्त रुख की दरकार है। यह कहना हिचक वाली बात नहीं कि इस किस्म की मशीनी शिक्षा सैन्यीकरण, युद्ध की मानसिकता, पर्यावरणीय आपदाओं, दूसरों से नफरत करने वाले राष्ट्रवाद, धार्मिक कट्टरवाद और अति उपभोक्तावाद से मुक्त नई दुनिया बनाने में पूरी तरह अक्षम साबित हुई है। इन दिनों, हमारे पास भरमार है ऐसे विशेषज्ञों की जो अंतरात्मा विहीन हैं, तकनीक की जो आत्मा से रहित है, बाजार जो नैतिकता मूल्यों से विहीन है, और मानव संसाधन जिसमें समृद्ध अंतरूकरण और उच्च आदर्श नदारद हैं। शिक्षा का मौजूदा प्रचलित तरीका, शिक्षा प्राप्त कर रहे युवाओं को बेलगाम योद्धा में तबदील कर रहा है, यह स्थिति आगे ऐसी पीढ़ी बना रही है जो आनंद—विहीन एवं आक्रामक है, जिसको जरा चौन नहीं, जिसपर भय, मनोवैज्ञानिक संत्रास और आध्यात्मिक मूर्खता तारी है।

हां, यही मनोव्यथा आलोचना करने को उकसाती है। सफलता का पैमाना बना दी गईं नीट, जेईई, नेट और क्युएट जैसी परीक्षाओं की आलोचनादृ इम्तिहान जो हमारे विद्यार्थियों का आनंद, विचारशीलता, आत्मबोध, सहजता से सीखना जैसी नैसर्गिकता छीन रहे हैं। 'कोटा एकेडमी संस्कृति' का निंदक होना बनता है, राजस्थान का यह शहर जीवन लीलने वाला कोचिंग—उद्योग या किशोर जीवनकाल के जादुई वर्ष छीनने वाली मशीनों का पर्याय बन गया है और उन्हें 'परीक्षा योद्धा' सरीखे रोबोट्स में परिवर्तित कर रहा है, जिन्हें केवल एक ही चीज पता हैदृ भौतिकी या गणित के सवालों को कैसे जल्द से जल्द अथवा तत्काल हल करना है। गुस्सा आता है, उच्च शिक्षा का कॉर्पोरेटीकरण करने पर या शिक्षा का रुतबा 'प्राप्त सैलरी पैकेज' से मापने के भौंडे तरीके पर। और हां, कला एवं मानविकी को हेय गिने जाने पर चिंता उपजती है।

इस संदर्भ में, शिक्षा के भुला दिए कुछ आदर्शों की याद आना समीचीन है। मसलन, संवेदनशीलता, जिस पर जिदद्दू कृष्णमूर्ति बारम्बार जोर देते थे, वह जो बौद्धिकता का उच्चतम स्वरूप हैदृ संवेदनशीलता जिंदगी के प्रति या प्रकृति के लिए। कृष्णमूर्ति युवा छात्रों को प्रेरित किया करते थे कि वे सूरज डूबने के विस्मयकारी दृश्य को पूर्ण चेतनता और समाधिस्थ अवस्था से निहारे। यह दिवास्वप्न देखने वाला निठल्लापन नहीं है, न ही समय की बर्बादी, यह भौतिकी और गणित से अल्पकालिक निजात भी नहीं है, इसकी बजाय यह सजग बनने, जागृत बौद्धिकता विकसित करने और उस स्वः को पोषित करने के लिए है, जो दुनिया से खुद का जुड़ाव बनाए। एक तरह से, यह शिक्षा का बोधात्मक, आध्यात्मिक पहलू है जो रबिन्द्रनाथ टैगोर द्वारा महज विद्यार्थियों की फौज खड़ी करने और दमनकारी शिक्षा संस्कृति की आलोचना में झलकता है और उनकी चाहत थी कि शिक्षार्थी युवाओं में कलात्मकता, सौंदर्यबोध का विकास हो। देवी प्रसाद के बारे में सोचेंदृ एक महान कलाकार और गांधी एवं टैगोर के शिष्य! अंतदृष्टि जागृत करने वाली उनकी लिखी किताब : 'आर्ट रू द बेसिस ऑफ एजुकेशन' मुझे बच्चे में अंदरूनी सृजनशीलता पैदा करने की जरूरत की याद दिलाती है। जरा उस नुकसान की तीव्रता के बारे में सोचें, जो हम अपने बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को पहुंचाते हैं, जब हम उन्हें अंतस से जुड़ने का खूबसूरत बोध विकसित करने से महरूम करते हैं। तब वे भय, तनाव और अति—प्रतिस्पर्धात्मकता के साथ बड़े होते हैं।

ऐसे में अक्सर अमेरिकी नारीवादी विदुषी बेल हुक्स से प्रेरणा मिलती है। जबतक वे जीवित रहीं, वे अपने विद्यार्थियों को आलोचनात्मक शिक्षण एवं दूसरों का ख्याल रखने की नैतिकता के खूबसूरत मिश्रण से प्रेरित करती रहीं। पाअलो फ्रेरे, इरिक फ्रॉम और थिच हाट हान से हुए शैक्षणिक संवाद उन्हें नस्लवाद, पुरुष वर्चस्व और तमाम किस्म के दबदबों से सवाल करने की मजबूती प्रदान करते थे। और शिक्षा, जैसा कि उन्होंने अपने पढ़ाने और लिखने के ढंग से दर्शाया, वह है जो प्रेम की क्षमता पैदा करे और हिंसा से त्रस्त संसार के जख्मों पर मरहम लगाए। लेकिन फिर हमारे सामूहिक ह्रास और अधोपतन पर नजर डालें। बतौर अभिभावक एवं शिक्षक, हम अपनी इस पीढ़ी को सिर्फ और सिर्फ अपने कैरियर पर ध्यान केंद्रित करने को कहते हैं यानी 'मोटी पगार'। हम उन्हें पागल घोड़े की तरह भागने और दूसरों के बारे में न सोचने को कह रहे हैं जिसमें उनकी पीड़ा, संत्रास और मुश्किलें शामिल हैं। जिसे हम इन दिनों 'शिक्षा' मान रहे हैं, कदाचितदृ केवल हिंसात्मक, श्रेणीबद्ध, शोषणकारी समाज के विचार को फिर से जीवित कर रही है।

और अंत में, ख्यात राजनीतिक सिद्धांतकर्ता एवं दार्शनिक मार्था नुशबॉम का कथन दोहराया जाये रू 'हर चीज लाभ कमाने के वास्ते नहीं होती, लोकतंत्र को मानवीयता की आवश्यकता है'। हम अपने कॉलेज—यूनिवर्सिटियों को मुख्यतः तकनीकी—वैज्ञानिक—अर्थशास्त्र पढ़ाने के स्थल की तरह देखते हैं और परिणामवश कला एवं मानवशास्त्र का अवमूल्यन हो रहा है। जैसे कि नुशबॉम की दलील है, यह वह सोच है जिसमें शिक्षा का मुख्य ध्येय छात्रों को आर्थिक रूप से उत्पादक होना सिखाना है, न कि आलोचनात्मक रूप से सोचने वाला, ज्ञानवान, उत्पादक किंतु सहृदय प्राणी बनाना। नुशबॉम का कहना है, 'मुनाफादायक कौशल' पर इस प्रकार एकतरफा ध्यान से वंचितों के प्रति सहानुभूति और आलोचनात्मक समझ बनने की क्षमता का ह्रास हो रहा है। शिक्षा को महज कुल राष्ट्रीय उत्पाद में वृद्धि करने का औजार बनाने से परे देखते हुए, नुशबॉम शिक्षा को मानवीयता से जोड़ना चाहती हैं ताकि विद्यार्थी असल मायने में लोकतांत्रिक नागरिक बनने को प्रोत्साहित हों।

वाकई यही वक्त है, शिक्षा का असल अर्थ क्या है, इस बारे में पुनर्विचार करने का। यदि शिक्षा को घोर बाजारीकरण, तकनीकी—मशीनी तार्किकता और अस्तित्व के लिए खतरा बनी होड़ के वायरस से न बचाया, तो हम नई पीढ़ी के मानसिक स्वास्थ्य को बहुत अधिक नुकसान पहुंचा बैठेंगे। इस अपराध के लिए हमें कतई माफी नहीं मिल पाएगी। लेखक समाजशास्त्री हैं।

संसदीय संवाद की गौरवशाली परंपरा और वर्तमान

—कौशल किशोर—

भारतीय राष्ट्र के संस्थापकों की गौरवशाली परंपरा शोर और कोलाहल के बीच एकालापों की अन्तहीन शृंखला में सिमट गई। इंटरनैट मीडिया की खुराक के लिए संसद में आज संवाद के अलावा सब कुछ संभव है। भाजपा के टिकट पर पहली बार सांसद बनी बांसुरी स्वराज ने संसद में राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत दर्ज की है। विपक्ष के नेता ने स्पीकर को पत्र लिखकर उनके पहले औपचारिक भाषण के हटाए गए हिस्सों पर आपत्ति जताई। इस रणनीति के साथ राहुल प्रतीकों के साथ खेल रहे हैं। ऐसा जारी रख कर क्या व्यापक जमीन हासिल कर सकते हैं? यह सवाल अब देश के सामने है।

नया संसद भवन नई लोकसभा के पहले दिन से ही विपक्ष के नेता से सुसज्जित होने लगा। इसका अभाव एक दशक तक देश ने झेला है। गांधीवादी सफेद खादी की धज में सजे राहुल गांधी नेहरू—गांधी परिवार की परंपरा की याद दिलाते हैं। फोटो शूट के पहले शालीन सत्र के बाद धुआंधार पारी की शुरुआत करते प्रतीत हुए। उनके मुरीद अहलादित हैं। सामने वाले को मूर्छित मान कर खूब प्रसन्न भी। हालांकि उनके इस वक्तव्य के 13 टुकड़ों को संसदीय कार्यवाही से निकाल दिया गया है। उन्होंने लोक सभा अध्यक्ष को खत लिख कर इसका प्रतिकार किया। इस पर प्रेस कांफ्रेंस कर इन टुकड़ों को सांझा करने की चुनौती भी उनके सामने पेश है। लेकिन अगले ही दिन राहुल सामान्य परिधान और विवादास्पद मुद्दों की शृंखला के साथ अपने मूल स्वरूप में लौट आए। उन्होंने जेल में बंद अपने एक सहयोगी का नाम लिए बगैर जिक्र भी किया।

आज राहुल गांधी लोक पाल और सी.बी.आई. निदेशक ही नहीं बल्कि चुनाव आयुक्त, सूचना आयुक्त और सतर्कता आयुक्त जैसे अहम पदों पर नियुक्ति करने वाले पैनल के सदस्य हैं। केंद्रीय मंत्रिमंडल में उन्हें कैबिनेट मंत्री का दर्जा मिल गया है। ऐसा लगता है कि सत्ता से सिर्फ एक कदम की दूरी पर हैं। अगले पांच वर्ष तक एक डग बढना आसान नहीं है। सत्ता को 2013 से ही जहर बताने वाले राहुल गांधी पिछले साल कश्मीर पहुंच कर सूफी हो गए थे। केंद्र सरकार की लेखापरीक्षा व व्यय समिति में शामिल होकर उन्होंने अपने कदम पीछे खींच लिए हैं। सरकार के औपचारिक शिष्टाचार में उन्हें 7वां स्थान प्राप्त हो गया है। साथ ही उन्हें नई संसद में कर्मचारियों और सुविधाओं से युक्त एक सुसज्जित कार्यालय भी मिला है। विपक्ष के नेता के रूप में उन्हें बहस शुरू करने और प्रधानमंत्री के भाषण का जवाब देने का विशेषाधिकार भी प्राप्त हो गया है। उनके पिता और माता दोनों ही देश के शीर्ष सार्वजनिक कार्यालय को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से चलाने से पहले इसी पद पर आसीन थे। उनके पहले संबोधन का असर जनता और मीडिया में साफ तौर पर देखा जा सकता है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव और विभिन्न दलों के अन्य सांसदों को मजबूती से खड़े होकर अपनी चिंताओं को उठाने के लिए मजबूर किया। उनके भाषण से असंसदीय संदर्भ लोक सभा की कार्यवाही के रिकॉर्ड से हटा दिए गए। लेकिन अभी भी यह संसद टी.वी. और कई अन्य मीडिया चौनल के रिकार्ड में मौजूद है। उन्होंने भगवान शिव के अहिंसक त्रिशूल को परिभाषित किया। गुरु नानक देव जी, ईसा मसीह आदि की अभय मुद्रा का उल्लेख कर कांग्रेस के चुनाव चिन्ह हाथ से इनकी तुलना कर दी। उन्होंने कहा, शिवजी कहते हैं कि डरो मत और दूसरों को डराओ मत, अभय मुद्रा दिखाते हैं। अड्क्षहसा की बात करते हैं और अपना त्रिशूल जमीन में गाड़ देते हैं। जो लोग खुद को हिंदू कहते हैं, वे 24 घंटे ड्क्षहसा, नफरत और झूठ की बात करते रहते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिंदुओं की ओर से इसका जवाब दिया। फिर राहुल गांधी ने कहा, ''आप ड्क्षहदू हो ही नहीं। ड्क्षहदू धर्म में साफ लिखा है कि आपको सत्य का साथ देना चाहिए और उससे पीछे नहीं हटना चाहिए। सत्य से डरना नहीं चाहिए और अहिंसा हमारा प्रतीक है।''अहिंसक त्रिशूल और निर्भयता के इस विचार को 1909 में दशहरा के दिन लंदन स्थित इंडिया हाऊस में रामायण व महाभारत के संदर्भ में सावरकर और गांधी द्वारा शुरू की गई बहस का विस्तार माना जा सकता है। इसी दोहन की प्रक्रिया में अयोध्या मक्खन की तरह उभरता है। उसी वर्ष लंदन से लौटते समय यात्रा के दौरान महात्मा गांधी ब्रिटिश संसद को वेश्या के रूप में परिभाषित करते हैं। उन्होंने सत्याग्रह ब्रिगेड की महिला पार्टी को खुश करने के लिए अपनी पुस्तक 'हिंद स्वराज' के संशोधित संस्करण में इसे संपादित किया था। लेकिन वेश्यालय के उनके संदर्भ को जानने के लिए इसके पीछे की कहानी समझने की जरूरत है।

ब्रिटिश कानून निर्माताओं ने बैरिस्टर एम.के. गांधी और उनकी जीवनी लेखक जोसेफ डोक के साथ कैसा व्यवहार किया? इस सवाल का जवाब भी इस पड़ताल में है। 20वीं सदी में महात्मा गांधी ने एक औसत हिंदू को कायर और एक औसत मुसलमान को गुंडा बताया था। इस पर राहुल का गांधी के साथ विरोधाभास साफ है। अपने इन निष्कर्षों के पक्ष में राहुल कोई भी कारण और स्पष्टीकरण नहीं दे पाते हैं। भारतीय लोकतंत्र की खूबसूरती है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह संसद में दोनों हाथ जोड़ कर सुरक्षा की मांग करते हैं। भारतीय राष्ट्र के संस्थापकों की गौरवशाली परंपरा शोर और कोलाहल के बीच एकालापों की अन्तहीन शृंखला में सिमट गई। इंटरनैट मीडिया की खुराक के लिए संसद में आज संवाद के अलावा सब कुछ संभव है। भाजपा के टिकट पर पहली बार सांसद बनी बांसुरी स्वराज ने संसद में राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत दर्ज की है। विपक्ष के नेता ने स्पीकर को पत्र लिखकर उनके पहले औपचारिक भाषण के हटाए गए हिस्सों पर आपत्ति जताई। इस रणनीति के साथ राहुल प्रतीकों के साथ खेल रहे हैं। ऐसा जारी रख कर क्या व्यापक जमीन हासिल कर सकते हैं? यह सवाल अब देश के सामने है।

संसद के 8 से 10 प्रतिशत सदस्य सार्थक और विवेकपूर्ण बातें करने के लिए जाने जाते हैं। लेकिन ऐसी अधिकांश आवाजें काफी हद तक उपेक्षित और अनसुनी ही रहती हैं। आज ये लोग विधिनिर्माताओं के क्लब के मूकदर्शक बनकर रह गए हैं। ऐसी स्थिति में सत्ता पक्ष व विपक्ष दोनों को साथ बैठकर दरिद्रता दूर करने के लिए संसदीय संवाद की गौरवशाली परंपरा को बहाल करना चाहिए। इस विषय में प्रयास करते हुए नैशनल हेराल्ड के संपादक चेलापति राव का दुखांत याद रखना चाहिए।

शारीरिक सक्रियता में पिछड़ता देश

—दीपिका अरोड़ा —

भारतीय सभ्यता स्वस्थ, कर्मठ एवं सक्रिय जीवनशैली के लिए प्रख्यात रही है। व्यायाम हों या योगासन, शारीरिक रूप से चुस्त—दुरुस्त बने रहने के लिए इन्हें सदैव ही जीवन में अधिमान दिया जाता रहा किंतु समय का बदलता रुख देखें तो वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति को लेकर एकत्र आंकड़े इस संदर्भ में भारतीयों की एक अलग ही तस्वीर पेश कर रहे हैं।'द लैंसेट ग्लोबल हैल्थ जर्नल' में प्रकाशित अध्ययन बताता है कि विश्व के 197 देशों में से भारत अपर्याप्त शारीरिक गतिविधि मामले में 12वें स्थान पर पहुंच चुका है। बालिगों के शारीरिक रूप से सक्रिय नहीं होने के मामले में भारत उच्च आय वाले एशिया—प्रशांत क्षेत्र में दूसरे स्थान पर है।

शोधकर्त्ताओं द्वारा वर्ष 2000 से 2022 तक 197 देशों में पर्याप्त शारीरिक गतिविधियों में संलिप्त बालिगों की संख्या का अनुमान लगाने हेतु जनसंख्या आधारित सर्वेक्षणों का विश्लेषण करने वाले इस अध्ययन में दावा किया गया कि दुनिया भर में शारीरिक गतिविधियों में पिछडने वाले वयस्कों की संख्या 5श बढ़कर 31.3श हो गई है, जबकि 2010 में 26.4 प्रतिशत वयस्क शारीरिक रूप से सक्रिय नहीं थे। आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2000 में भारत के 22 प्रतिशत वयस्क शारीरिक रूप से पर्याप्त सक्रिय नहीं पाए गए। 2010 में यह आंकड़ा 34 प्रतिशत से होता हुआ वर्तमान में 50 प्रतिशत पर पहुंच चुका है। इसे सुधारा नहीं जाता तो 2030 तक 60 प्रतिशत भारतीय अस्वस्थ की श्रेणी में शुमार होंगे। इस संदर्भ में महिलाओं की संलिप्तता 57 प्रतिशत है अर्थात पुरुषों के 42 प्रतिशत की तुलना में वे अधिक निष्क्रिय पाई गईं। रिपोर्ट में भारतीय महिलाओं की स्थिति पड़ोसी देशों बंगलादेश, भूटान तथा नेपाल से भी बदतर बताई गई जोकि गहन चिंता का विषय है। भारतीय महिलाओं का आंकड़ा अधिक रहने का कारण खंगालें तो अधिकतर महिलाएं घरेलू कार्यों को ही शारीरिक व्यायाम का विकल्प मानती हैं, जोकि आंशिक तौर पर ही सत्य है।

घरेलू चक्की द्वारा आटा पीसने, मथानी से दूध बिलौने, हाथ से कपड़े धोने, सिल्ल—बट्टा प्रयुक्त करने आदि की पुरातन प्रक्रियाओं में भले ही कुछ व्यायाम होने संबंधी संभावनाएं बनी रहती हों किंतु आधुनिक युग में ये कार्य भी बीते दिनों की भेंट चढ़ चुके हैं। तकनीकी प्रगति के चलते अब अधिकांश कार्य निपटान मशीनी सहायता से होता है। पुरातनपंथी सोच, सांस्कृतिक कारण, ऑफिस व घर के दोहरे दायित्व निर्वहन में समयाभाव के चलते अधिकतर महिलाओं द्वारा स्वास्थ्य देखभाल प्राथमिकता में स्वयं को पीछे धकेलना आदि भी असक्रियता आंकड़ों में उनके आगे रहने का कारण बनते हैं। इसमें कोई दोराय नहीं, भारत सहित पूरे दक्षिण एशिया में बढ़ते शहरीकरण ने उपभोक्तावाद को अत्यधिक विस्तार की स्थिति में ला खड़ा किया। जीवन तो सुविधाजनक बना किंतु बदली कार्यशैली ने अनचाहे रोगों को भी न्यौता दे डाला। जीवन जीने का ढंग बदल जाए तो स्वास्थ्य पर इसका प्रभाव पडना भी स्वाभाविक है। डब्ल्यूएच.ओ के मुताबिक, परिश्रम न करने से हृदयाघात, पक्षाघात, टाइप 2 मधुमेह, भूलने की समस्या तथा पेट के कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा कई गुणा बढ़ जाता है। लैंसेट के डाटा अनुसार, 2021 में भारत में 10.10 करोड़ लोग मधुमेह, 31.50 करोड़ उच्चा रक्त चाप तथा 25.40 करोड़ मोटापे से पीड़ित थे। सुस्त जीवनशैली के कारण पनपने वाले ये रोग दुनिया भर में स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों पर अवांछित बोझ बढ़ा रहे हैं।

दिव्यांग बच्चों को दिया जा रहा प्रशिक्षण

संवाददाता–बलरामपुर। दिव्यांग बच्चों को मानसिक व शारीरिक रूप से मजबूत करने के लिए गिफ्ट एबड फाउंडेशन ने अभियान चलाया है। फाउंडेशन दिव्यांग बच्चों की थेरेपी के साथ–साथ उन्हें प्रशिक्षण देकर हस्त कला में निपुण बनाने में जुटी है। मंगलवार को फाउंडेशन की ओर से कलेक्ट्रेट मोड़ के पास स्थित कार्यालय पर जिले में दिव्यांगों को मुख्य धारा से जोड़ने को लेकर बैठक की गई। बैठक की अध्यक्षता संस्था क्षेत्रीय प्रमुख शिल्पा सिन्हा ने किया। उन्होंने बताया कि दिव्यांग बच्चों व युवाओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। कार्यक्रम में स्वास्थ्य, स्वतंत्रता और सीखने की क्षमता जैसे कार्यक्रम चलाकर उन्हें मानसिक व शारीरिक रूप से मजबूत किया जाता है। उन्होंने कहा कि दिव्यांग बच्चों को थेरेपी के माध्यम से भी शारीरिक रूप से निपुण बनाने का प्रयास किया जा रहा है। संस्था की मानसी ने बताया कि यहां पर दिव्यांग बच्चों द्वारा एसएपी, लैपटॉप व स्कूल बैग के साथ स्कूल ड्रेस, केले के फाइबर जैसे अन्य उत्पाद बनाए जाते हैं। जिसके बाद लर्नेबल्ड कार्यक्रम में स्नातक हुए दिव्यांग छात्रों को निःशुल्क प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराई जाती है।

सम्प्रेक्षण गृह का एडीजे ने किया निरीक्षण

संवाददाता–गोण्डा। अपर जिला जज व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव दानिश हसनैन ने राजकीय संप्रेक्षण गृह का औचक निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। अपर जिला जज व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव दानिश हसनैन ने मंगलवार को राजकीय सम्प्रेक्षण गृह का औचक निरीक्षण कर सम्प्रेक्षण गृह में रह रहे किशोरों के मुकदमे की पैरवी, निरूशुल्क विधिक सहायता एवं सम्प्रेक्षण गृह में प्रदत्त सुविधाओं तथा किशोर न्याय समिति के निर्देशानुसार सम्प्रेक्षण गृह में संचालित गतिविधियों के संबंध में जानकारी प्राप्त कर आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान अपर जिला जज ने प्रभारी अधीक्षक को साफ–सफाई व्यवस्था को दुरुस्त रखने का निर्देश दिया।

सौ संकुल शिक्षकों का पदों से इस्तीफा

संवाददाता–गोण्डा। आनलाइन अटेंडेंस के विरोध में ब्लॉक हलधरमऊ के बीआरसी कार्यालय पर 54 संकुल शिक्षकों ने बीईओ को अपने पद से सामूहिक इस्तीफा दे दिया। उधर, वजीरगंज 55 संकुल शिक्षकों ने सामूहिक त्यागपत्र बीइओ की गैर मौजूदगी में बीआरसी कार्यालय लिपिक को सौंपा। विकास खंड हलधरमऊ के प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष कौशल किशोर ओझा ने बताया कि आनलाइन अटेंडेंस के विरोध में मंगलवार को विकास खंड के 54 संकुल शिक्षकों ने संकुल शिक्षक पद से बीईओ रियाज अहमद को सामूहिक इस्तीफा दे दिया। शिक्षकों ने बताया कि उन्हें किसी भी दशा में आनलाइन अटेंडेंस व्यवस्था मंजूर नहीं है। सरकार शिक्षकों के ऊपर लगातार बोझा डालती जा रही है। जिससे शिक्षक अवसादग्रस्त होते जा रहे हैं।उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के रवींद्र प्रताप सिंह, सुरेश सिंह, कौशल किशोर ओझा, राहुल सिंह, देवकी नन्दन शुक्ल, इरशाद अहमद, योगेश, प्रियंका रानी, अनामिका श्रीवास्तव, सरिता तोमर, धर्मेंद्र यादव, मुकेश मिश्र, गायत्री अवस्थी, अंकित वर्मा सहित अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

उधर, वजीरजगंज में त्यागपत्र देते हुए शिक्षकों ने कहा कि संकुल पद पर कार्य करते हुए दो वर्ष हो गए हैं। छात्र व विद्यालय हित में सभी सामूहिक त्यागपत्र दे रहे। इस मौके पर अवनीश कुमार पांडेय, नूर मोहम्मद, वीरेंद्र नाथ सिंह, आनन्द देव सिंह, विनय कुमार श्रीवास्तव, राधेश्याम तिवारी, शिव कुमार, शिवाकर सिंह, नरेंद्र कौशल, बृजभूषण पांडेय, चन्दन सिंह, रुमी सिंह, नीलम यादव आदि शामिल रहीं।

डिजिटल हाजिरी स्थगन को शिक्षकों ने बताई जीत

संवाददाता–गोण्डा। डिजिटल हाजिरी के स्थगन का आदेश आते ही जिले में तैनात शिक्षकों ने प्रसन्नता व्यक्त की। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने दो महीने के स्थगन आदेश की जगह स्थाई निरस्त करने की मांग की है। जिलाध्यक्ष विनय तिवारी ने कहा कि डिजिटल अटेंडेंस को स्थगित करना समस्या का स्थाई समाधान नहीं है। शिक्षकों की समस्याओं का गंभीरता पूर्वक हल निकालना होगा। प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर जब तक हमारी मांगो व समस्याओं का समाधान नहीं किया जाता है तब तक आन्दोलन जारी रहेगा।

विनय तिवारी ने कहा कि शिक्षकों का संघर्ष रंग लाया है और सरकार मांगों पर विचार करने के लिए मजबूर हुई है। उन्होंने साथ देने वाले सभी लोगों का आभार जताया है। जिला मंत्री उमाशंकर सिंह ने जिला स्तर पर लंबित समस्याओं के भी तत्काल समाधान की मांग करते हुए नवनियुक्त शिक्षकों का सत्यापन कराकर तत्काल वेतन भुगतान कराए जाने की मांग की है। 29 जुलाई को महानिदेशक स्कूल शिक्षा के कार्यालय का घेराव करेंगे। संगठन में शिक्षक अवधेश त्रिपाठी, अखिलेश शुक्ला, बलवंत सिंह, कुलदीप पाठक, देवकीनंदन शुक्ला, आनंद देव सिंह, अवनीश पांडेय, अंगद प्रसाद, देवेंद्र सिंह, विपिन सिंह, अरूण कुमार शुक्ल, मुरली मनोहर शुक्ल, मोहम्मद सऊद, इरफान मोईन, मंजूर इलाही, शकुंतला सिंह, ऋचा सिंह, अनिल सिंह, आलोक पांडेय, शैलेश मिश्रा, संदीप श्रीवास्तव, संदीप त्रिपाठी, अनुपम पांडेय, अभिषेक त्रिपाठी, सुजीत त्रिपाठी, रामगोपाल सिंह, कृष्ण मोहन सिंह, अतुल कुमार मिश्रा सहित अन्य शिक्षक पदाधिकारियों ने प्रांतीय नेतृत्व से प्राप्त निर्देश पर 29 जुलाई को डीजी शिक्षा कार्यालय पर आयोजित धरने को सफल बनाने का संकल्प लिया है।

हसीना बानो हत्याकांड का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–श्रावस्ती। पुरानी रंजिश में 12 जुलाई को एक महिला की हत्या कर शव गन्ने के खेत में फेंक दिया गया था। मृतका की बहू की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच कर रही थी। मंगलवार को पुलिस ने हत्याकांड के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। नवीन माडर्न थाना श्रावस्ती क्षेत्र के ग्राम पंचायत श्याम देवरिया के मजरा महदेईया गांव निवासी हसीना बानों (40) पत्नी मोहर्रम अली उर्फ मूसे बीते 12 जुलाई की सुबह शौच के लिए घर से बाहर गई थी। इस दौरान पुरानी रंजिश में कुछ लोगों की ओर से हसीना बानों की हत्या कर शव गांव से कुछ ही दूसरी पर गन्ने के खेत में फेंक दिया गया। खोजबीन के दौरान परिजनों को गन्ने के खेत में हसीना बानों की लाश मिली थी। पुलिस ने मृतका की बहू की तहरीर पर हत्या का मामला दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। मंगलवार को गणनाथ प्रसाद ने टीम के साथ मुखबिर की सूचना पर हत्या के मुख्य आरोपी अब्दुल कलाम पुत्र अच्छन निवासी श्यामदेवरिया को समदा मोड़ के पास से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। सीओ के नेतृत्व में अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस व क्राइम ब्रांच की टीम को लगाया गया है। गिरफ्तारी टीम में थानाध्यक्ष के साथ उपनिरीक्षक फिरतू यादव, आरक्षी जीतबन्धन, आरक्षी प्रदीप कुमार, मनोज वर्मा व आरक्षी भगवानदास शामिल रहे।

मैजिक वाहन ने विद्युत पोल से टकराने के बाद बाइक में मारी टक्कर, सवार की मौत

संवाददाता–बहराइच। गोंडा बहराइच मार्ग पर मंगलवार को विशेश्वरगंज थाना क्षेत्र में गोंडा से अमूल दूध लेकर बहराइच जा रही मैजिक वाहन ने पहले विद्युत पोल में टक्कर मारी। इसके बाद बाइक सवार को ठोकर मार दी। बाइक सवार की दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों के साथ चालक को हिरासत में ले लिया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। गोंडा की तरफ से अमूल दूध की गाड़ी संख्या यूपी 33 सीटी 3641 बहराइच के लिए रवाना हुई। मंगलवार सुबह आठ बजे चार पहिया मैजिक वाहन गोंडा बहराइच मार्ग पर विशेश्वरगंज थाना क्षेत्र के बाजार में वाहन ने बिजली के खंभे में अनियंत्रित होकर टक्कर मार दी।

इसके बाद वाहन ने पयागपुर के एलो गांव से आ रहे बाइक सवार अरविंद कुमार विश्वकर्मा (32) पुत्र तुलसी राम विश्वकर्मा को ठोकर मारी जिससे बाइक सवार गंभीर रूप से घायल होकर खड्ड में जा गिरा। आसपास के लोगों ने अस्पताल पहुंचाया। यहां पर डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। जिस पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उधर, हादसे के बाद चार पहिया वाहन भी पलट गया। इस मामले में थानाध्यक्ष नवीन कुमार सिंह ने बताया कि अमूल दूध चालक और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को कब्जे में ले लिया गया है। तहरीर मिलने पर केस दर्ज किया जायेगा।

मित्र की तरह काम करें पुलिस कर्मी –एसपी

संवाददाता–बलरामपुर। पुलिस अनुशासन के बल पर जानी जाती है। सभी पुलिसकर्मी अनुशासन में रहे। हमें लोगों की सुरक्षा एवं न्याय देने के लिए नियुक्त किया गया है। सभी लोग मित्र पुलिस की तरह काम करें। यह बातें पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने कही। मंगलवार को एसपी विकास कुमार रिजर्व पुलिस लाइन का निरीक्षण करने पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि रिजर्व पुलिस लाइन में जो खाली भूमि है उन पर पौधारोपण कराएं। जिससे आने वाले समय में स्वच्छ वातावरण मिल सके। एसपी ने कहा कि मानसिक व शारीरिक रूप से फिट रहने के लिए दौड़ एवं व्यायाम करें। अपने शास्त्रों का भी रख रखाव एवं ध्यान रखें। उन्होंने परिवहन शाखा, पुलिस लाइन परिसर, जीडी कार्यालय, क्वार्टर गार्ड, कैंटीन, आदर्श आरक्षी बैरक, पुलिस भोजनालय व पुलिस लाइन में चल रहे निर्माण कार्य का निरीक्षण कर भोजन की गुणवत्ता परखकर संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

मेड़ काटने को लेकर दो पक्षों में मारपीट, नौ घायल

संवाददाता–श्रावस्ती। खेत में मेड़ काटने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों में लाठी डंडे से मारपीट हो गई। जिसमें कुल नौ लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

गिलौला थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत कोलाभार मजगवां के मजरा मजगवा निवासी गफ्फार अली व सत्तार अली पुत्रगण हल्ला दोनों सगे भाई हैं। सत्तार ने अपने हिस्से की जमीन को तीन महीने पहले अपने बेटों के नाम बैनामा कर दिया था। वहीं गफ्फार का कोई पुत्र न होने के कारण अपने हिस्से की तीन बीघा जमीन अपने बेटियों आयशा और यासमीन के नाम बैनामा कर दिया है। सत्तार का परिवार सोमवार को शाम को धान की रोपाई करने के लिए ट्रैक्टर से खेत की जुताई करने लगा। इस दौरान मेड़ सही करते समय गफ्फार अली की दोनों लड़कियां यासमीन और आयशा तथा नाती सलमान मौके पर पहुंच कर विरोध करने लगे। इस पर दोनों ओर से विवाद शुरू हो गया और लाठी डंडे से मारपीट होने लगी। जिसमें सत्तार अली के पक्ष से ताज मोहम्मद, मोहम्मद अजीज पुत्रगण सत्तार अली, हसीना बानो पत्नी मोहम्मद अजीज व तरीमुन निशा पत्नी जैनुल हुसैन तथा गफ्फार अली के तरफ से सलमान पुत्र मेराज, यासमीन पत्नी बसीर, आयसा पत्नी मेराज अली, अफसाना पत्नी सलमान वह शब्बीर पुत्र मेराज समेत कुल नौ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गिलौला में भर्ती कराया गया। जहां से छह लोगों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। गिलौला थाना प्रभारी निरीक्षक महिमा नाथ उपाध्याय ने बताया कि दोनों ओर से तहरीर मिली है। मामला दर्ज कर लिया गया है। दोनों तरफ से लोग घायल थे। जिनके इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है।

50 शिक्षकों ने संकुल पद से दिया इस्तीफा, प्रदर्शन किया

संवाददाता–श्रावस्ती। श्रावस्ती। ऑनलाइन हाजिरी के विरुद्ध शिक्षकों का विरोध प्रदर्शन जारी है। शिक्षक पहले शिक्षकों की सभी समस्या का निराकरण होने के बाद ही आनालाइन हाजिरी देते को कह रहे हैं। प्रदर्शन के इसी क्रम में 50 शिक्षकों ने संकुल पद से सामृहिक रूप से इस्तीफा दे दिया। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लाक अध्यक्ष सुनील दत्त शुक्ला की अगुवाई में मंगलवार को क्षेत्र के सभी संकुल शिक्षक ब्लाक संसाधन केन्द्र कार्यालय सिरसिया में एकत्र हुए। इस दौरान शिक्षकों ने आनलाइन हाजिरी को लेकर कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन किया। इसके बाद 50 शिक्षकों ने कार्यालय सहायक अतुल शुक्ला को सामुहिक रूप से संकुल पद से इस्तीफा सौंप दिया। सुनील दत्त शुक्ला ने कहा कि शिक्षकों के प्रति तानाशाही रवैया अपनाया जा रहा है। शिक्षक आनलाइन हाजिरी तभी देंगे जब उनकी सभी समस्याओं का समाधान होगा और सभी मांगों को पूरा किया जाएगा। मागें पूरी न होने से शिक्षक प्रदर्शन करते रहेंगे। इस मौके पर शिक्षक आत्मा राम वर्मा, अयोध्या प्रसाद राणा, बिनीत द्विवेदी, राकेश गौतम, विनय चौरसिया, कर्मवीर राणा आदि मौजूद रहे।

150 बाढ़ पीड़ितों को दी राहत सामग्री

संवाददाता–बलरामपुर। बाढ़ राहत केंद्र पर बाढ़ पीड़ितों को शासन के लगातार प्रयास से राहत सामग्री का वितरण कराया जा रहा है। शासन के निर्देश पर तुलसीपुर विधायक कैलाश नाथ शुक्ला ने ग्राम पंचायत बुडंतापुर में बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री का वितरण किया। जहां पर 150 बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री दी गई। विधायक ने कहा कि राहत सामग्री वितरण में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सरकार निष्पक्षता के साथ बिना भेदभाव के सभी को राहत सामग्री दे रही है। मंगलवार को महराजगंज के कंपोजिट विद्यालय बाढ़ राहत केंद्र पर तुलसीपुर विधायक कैलाश नाथ शुक्ला बाढ़ क्षेत्र का जायजा लिया। उन्होंने बाढ़ राहत केंद्र पर पहुंचकर बाढ़ पीड़ितों राहत सामग्री का वितरण कर पीड़ितों का हाल जाना। विधायक ने कहा की सरकार किसी भी आपदा में गरीबों के साथ रहकर कार्य करती है। भाजपा सरकार बाढ़ पीड़ितों के दर्द को कम करने के लिए लगातार राहत सामग्री का वितरण करा रही है। किसी भी आपदा के समय सरकार के जनप्रतिनिधि ग्रामीणों के साथ कदम मिलाकर चल रही है। कहा कि शासन का निर्देश है कि राहत सामग्री वितरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही पाई गई तो सरकार उस पर कड़ी कार्रवाई भी करेगी। बाढ़ पीड़ितों के हर संभव मदद के लिए सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ खड़ी है। शासन व प्रशासन के स्तर से बाढ़ पीड़ितों का सहयोग हर संभव किया जाएगा। तुलसीपुर नायब तहसीलदार शिवेंद्र पटेल ने सभी लेखपालों को अवगत कराया की बाढ़ सूची के हिसाब से सभी बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री वितरण कराया जाए। इस मौके पर भाजपा मंडल महामंत्री प्रवेश मिश्रा, मोनू सिंह, धनीराम वर्मा, लेखपाल राजीव यादव, विनोद वर्मा, राकेश खन्ना सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

संतो महंतों ने पूर्वाचार्य महंत रामप्रिया दास अर्पित की श्रद्धांजलि

–भारतीय बस्ती संवाददाता– अयोध्या। तपस्या बैराग्य की धरती अयोध्या में अनेकों संत हुए हैं जिन्होंने अपनी सेवा बैरागी और तपस्या के बल पर सनातन धर्म ध्वजा को आगे बढ़ाया है इसी कड़ी में रायगंज स्थित श्री रघुनाथ सत्संग भवन के पूर्वाचार्य महंत रामप्रिया दास महाराज का नाम भी संतों की प्रमुख मणि माला में लिया जाता है। मंदिर के वर्तमान पीठाधीश्वर महंत मनमोहन दास महाराज के सानिध्य में श्री महाराज जी की 43 वीं पुण्यतिथि हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें अयोध्या के संतो ने भावमई श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि श्री महाराज जी सेवा और तपस्या के लिए जाने जाते थे।

कनक बिहारी मंदिर जयपुर से पधारे महामंडलेश्वर सियाराम दास ने बताया कि महाराज जी सेवा को ही तपस्या मानते थे और ठाकुर जी की सेवा के साथ संत सेवा गौ सेवा में हमेशा लीन रहते थे कभी भी उन पर तपस्या और सेवा का अभिमान नहीं हावी हुआ। रुपईडीहा से पधारे महामंडलेश्वर भगवान दास जी महाराज ने बताया कि संत सेवा गौ सेवा और नाम नारायण सेवा कैसी होती है यह श्री महाराज जी से सीखा जा सकता है। मंदिर के वर्तमान पीठाधीश्वर महंत मनमोहन दास जी महाराज ने आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया और कहा कि श्री महाराज जी ने आश्रम में सेवा की जो पद्धति बनाई थी वह निरंतर चल रही है और आने वाले समय में भी चलती रहेगी। श्री महाराज जी के श्रद्धांजलि सभा में महंत राम कुमार दास, महंत पवन कुमार दास, महंत विनोद कुमार दास,महंत वीरेंद्र दास सहित अयोध्या के सैकड़ों संतों महंतों ने श्रद्धांजलि अर्पित की और प्रसाद पाए।

अराजक तत्वों ने की मस्जिद में चोरी का प्रयास दो गिरफ्तार

संवाददाता–श्रावस्ती। कोतवाली भिनगा के परसिया राजा की मस्जिद में दो लोगों ने घुस कर चोरी का प्रयास किया और पुरानी किताबों को क्षति पहुंचाई। लोगों ने पकड़ कर दोनों लोगों को पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है और पूछताछ कर रही है।

लक्ष्मनपुर बाजार (ग्राम परसिया राजा, मौजा–तकिया) के मस्जिद में मंगलवार को दो व्यक्ति दुर्गा प्रसाद निवासी–समतलिया बलनपुर बसन्तपुर एवं विजय कुमार निवासी–सिरसिया बाजार ने घुस गए। दोनों ने इन्वर्टर की बैटरी खोल ली और अन्य सामान भी चोरी करने का प्रयास किया। दोनों ने एक गठ्ठर को खोलने का प्रयास किया गया जिसके अन्दर पुरानी किताबें थी गठ्ठर खोलने के कारण किताबें बिखर गई। कुछ सन्दूक एवं बक्सों को भी खोलकर सामान फैला दिया गया। इन्वर्टर की बैटरी को ले जाते समय स्थानीय लोगों ने इनको पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी। सूचना प्राप्त होते ही पुलिस ने मौके पर पहुंच कर दोनो व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया और कोतवाली भिनगा लाकर पूछताछ की जा रही है। मस्जिद प्रतिनिधि ने तहरीर देकर धार्मिक पुस्तक फाड़ने का आरोप लगाया है। कोतवाल ने बताया कि दुर्गा प्रसाद मानसिक रूप से विक्षिप्त है और इसका इलाज गोरखपुर में चल रहा है तथा विजय कुमार भी मानसिक रूप से विक्षिप्त तथा नशा करने का आदी है। प्रथम दृष्टया दोनों व्यक्तियों की ओर से चोरी का प्रयास प्रतीत होता है। सम्पूर्ण प्रकरण की जांच की जा रही है। मौके पर पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारी उपस्थित हैं।

अनियंत्रित बाइक रोक से टकराई बाइक, दो युवकों ने तोड़ा दम

संवाददाता–श्रावस्ती। तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे लगे लोहे के रोक से टकरा गई। इसके बाद लोहे के तार में फंस गए। हादसे में एक युवक ने मौके पर दम तोड़ दिया। जबकि दूसरे को अस्पताल पहुंचाने पर मृत घोषित कर दिया गया। स्थानीय लोगों के अनुसार तेज गति होने के कारण चालक बाइक को मोड़ नहीं सका और तेजी से डिवाइडर से टकरा गया। मल्हीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत बेलरी निवासी सलीम अहमद (35) पुत्र रहमत अली व इसी गांव निवासी ननके यादव (36) पुत्र फेरन यादव के साथ मंगलवार को किसी काम से बाइक से जमुनहा बाजार आए थे। जमुनहा बाजार से दोपहर के बाद दोनों लोग बाइक से अपने घर बेलरी जा रहे थे। इस दौरान रास्ते में कोदिया गांव स्थित एसएसबी कैम्प के पास पहुंचते ही तेज गति से जा रही बाइक अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे लगे लोहे के रोक से टकरा गई। इसके बाद बाइक सवार दोनों लोग खेतों में लगे कटीले तारों में फंस गए। दुर्घटना को देख कर एसएसबी जवान व ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। लोगों ने कटीले तारों से दोनों को बाहर निकाला और पुलिस तथा एम्बुलेंस को सूचना दी। लेकिन तब तक सलीम की घटनास्थल पर ही मौत हो चुकी थी। जबकि ननके गंभीररूप से घायल हो गया। मल्हीपुर थाने की पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंच गई। दुर्घटना की सूचना पाकर परिजन भी मौके पर पहुंच गए और शव का पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया और शव लेकर घर चले गए। जबकि पुलिस की ओर से घायल ननके को एम्बुलेंस बुलवाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मल्हीपुर भेजा गया। सीएचसी ले जाते समय रास्ते में ननके ने भी दम तोड़ दिया। ननके के परिजन भी शव का पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया और शव लेकर घर चले गए।

नेपाल बार्डर पर बनी सड़क बांध पर बनी होने के कारण जमुनहा से सागर गांव तक काफी ऊंची है। इसलिए सड़क के दोनों ओर लोहे के पोल व रोक लगाया गया है। ताकि दुर्घटनाओं को रोका जा सके। इस सड़क पर कई खतरनाक मोड़ भी हैं। जहां वाहनों के तेज होने पर अनियंत्रित होने का खतरा बना रहता है। जगह जगह संकेतक भी लगे हैं। इसके बाद भी लोग अनियंत्रित गति से चलने के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो जाते हैं। जिस रोक को दुर्घटनाओं को रोकने के लिए लगाया गया है। उसी से दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। लोगों का कहना है कि यदि वाहनों की गति नियंत्रित हो तो दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है।

रेडक्रॉस सचिव को मिला उत्कृष्ट सेवा सम्मान

संवाददाता–श्रावस्ती। रेडक्रॉस श्रावस्ती के पुनर्गठन व विभिन्न प्रकार के सराहनीय कार्यों को देखते हुए राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने उन्हें उत्कृष्ट सेवा सम्मान 2023 प्रदान किया है । राजभवन में आयोजित वार्षिक बैठक में रेडक्रॉस सचिव अरुण कुमार मिश्र को यह सम्मान रेडक्रॉस चेयरमैन व उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक व रेडक्रॉस महासचिव डॉ हिमाबिंदु नाइक की उपस्थिति में दिया गया। यह सम्मान प्राप्त करने वाले वह रेडक्रॉस श्रावस्ती के पहले पदाधिकारी हैं। सचिव अरुण कुमार मिश्र के कार्यकाल में रेडक्रॉस ने रक्तदान, आपदा राहत, स्वास्थ्य व दिव्यांग कल्याण क्षेत्र में सराहनीय कार्य किया है ।

प्राइमरी के बच्चों को मिलेगी पंक्चर बनाने से लेकर इंजीनियरिंग तक की ट्रेनिंग

संवाददाता–कुशीनगर। जिले के परिषदीय स्कूलों में अब बच्चों को पंक्चर बनाने से लेकर इंजीनियरिंग तक की ट्रेनिंग दी जाएगी। लर्निंग बाई डूइंग अर्थात् करके सीखों कार्यक्रम के तहत बच्चों को शुरू से आत्मनिर्भर बनाने के लिए शासन की ओर से यह कदम उठाया गया है। करके सीखों कार्यक्रम को सफल करने के लिए परिषदीय स्कूलों में 50 प्रकार के उपकरण खरीदे गए हैं। इसके अलावा 155 प्रकार के टूल्स व उपकरण केंद्रीय भण्डारण से प्राप्त होगा। इसके लिए हर ब्लॉक से दो ऐसे स्कूलों का चयन किया गया है, जिनमें बच्चों की संख्या सर्वाधिक होने के साथ विज्ञान शिक्षक की तैनाती है।

बेसिक शिक्षा परिषद से जिले में 2464 विद्यालय संचालित हैं। करके सीखों कार्यक्रम के लिए जिले से कुल 28 उच्च प्राथमिक विद्यालयों का चयन किया है, जहां पर छात्रों की संख्या अधिक होने के साथ विज्ञान शिक्षक व अतिरिक्त कक्षा कक्ष तथा पहले से लर्निंग बाई डूइंग का प्रयोगशाला उपलब्ध हो। इस कार्यक्रम के तहत कक्षा 6 से 8 तक के बच्चों को ट्रेनिंग दी जाएगी। कार्यक्रम के दौरान उपकरणों के उपयोग के लिए चिन्हित किए गए 28 स्कूलों को 28770 रुपये की ग्रांट राशि भेजी दी गई है। ग्रांट राशि से स्कूलों में कृषि के लिए फावड़े, खुरपे के अलावा जूस बनाने के लिए मिक्सी और इंजीनियरिंग के लिए वेल्डिंग सामान व पंक्चर लगाने के उपकरणों के साथ अन्य उपकरण विद्यालय प्रबंध समिति के माध्यम से खरीदे गये हैं। स्कूली बच्चों को शिक्षक नई शिक्षा नीति के तहत चार ट्रेड के माध्यम से प्रशिक्षित करके आत्मनिर्भर बनाने का काम करेंगे। इनमें पहला इंजीनियरिंग एडं वर्कशॉप, दूसरा एनर्जी एण्ड एन्वायरमेंट, तीसरा एग्रीकल्चर नर्सरी एवं गार्डनिंग तथा चौथा होम एण्ड हेल्थ शामिल है। इन विद्यालयों में प्रयोगशाला स्थापना के साथ चार ट्रेड्स के कुल 155 प्रकार के विभिन्न टूल्स, इक्विमेंट एवं लैब सेटअप मटेरियल राज्य स्तर से चयनित फर्म केंद्रीय भण्डार से विद्यालयों का प्राप्त होगा।

प्रशिक्षण के लिए हर ब्लॉक में दो–दो स्कूलों का चयन किया गया है। जिले भर में कुल 28 स्कूलों में यह प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया जाएगा। इनमें दुदही ब्लॉक के कंपोजिट दशहवा, दुदही, फाजिलनगर ब्लॉक के धनहा, फाजिलनगर, हाटा ब्लॉक के अहिरौलीतुला दास व छपरा भगत, कप्तानगंज ब्लॉक के मगधिहा व दुमदुमवा उर्फ मझिला, कसया के बेलवापलकधारी व अभिनायकपुर, खड्डा के छितौनी मुसहरटोली व मदनपुर सुकरौली, मोतीचक के फर्द मुंडेरा व बेलवा सुदामा, नेबुआ नौरंगिया के खेमनछपरा व बसंतपुर, पडरौना ब्लॉक के जंगल हनुमानगंज व दुर्गवलिया, रामकोला के अमडरिया व रामबर बुजुर्ग पोखरभिण्डा, सेवरही के सुमही संत पट्टी व जवही दयाल, सुकरौली के सुकरौली दो व बरसैना, तमकुही के बसडीला पांडेय व तुर्कपट्टी महुअवा, विशुनपुरा के कंठी छपरा व पड़री पिपरपाती आदि शामिल हैं।

इस प्रशिक्षण के लिये हर स्कूलों को अलग से ग्रांट जारी की गई है। प्रति स्कूल के लिए 28,770 की ग्रांट राशि शासन ने जारी होने पर विद्यालय प्रबंध समिति के माध्यम से 50 तरह के उपकरणों की खरीदारी हुई है। डॉ. रामजियावन मौर्य, बीएसए ने कहा कि शासन की ओर से परिषदीय स्कूलों के बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उपाय किए जा रहे हैं। ब्लॉकवार सर्वाधिक संख्या वाले दो–दो स्कूलों को चिन्हित करके उपकरणों की खरीदारी हो गई है। इन उपकरणों से कुल 28 स्कूलों में करके सीखो कार्यक्रम के तहत बच्चों को ट्रेनिंग दी जाएगी। यह नई शिक्षा नीति के तहत बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने में ज्यादा कारगर साबित होगा।

बाढ़ से छह स्थानों पर कटी सड़क, आवागमन बंद

संवाददाता–श्रावस्ती। राप्ती की बाढ़ ने भिनगा मल्हीपुर मार्ग को पूरी तरह से खराब कर दिया है। सड़क दो स्थानों पर पूरी तरह से कट कर बह गई है। जबकि चार स्थानों पर आधे से अधिक हिस्सा कट कर बह गया है। इसके कारण आवागमन पूरी तरह से बंद हो गया है। लोगों को मल्हीपुर से भिनगा पहुंचने के लिए 40 किलोमीटर का चक्कर लगाना पड़ रहा है। बाढ़ का पानी अत्यधिक होने के कारण मल्हीपुर से जिला मुख्यालय को जोड़ने वाले मधवापुर मार्ग पर पानी बहने लगा था। पानी के तेज बहाव के कारण शिकारी पेट्रोल पंप से लगाकर मधवापुर पुल के बीच छह स्थानों पर मार्ग कटकर क्षतिग्रस्त हो गया है। वहीं कटे मार्ग के बीच की लंबाई लगभग 30 से 50 मीटर हो गई है। जिसकी वजह से मधवापुर नदी पार के निवासियों को अब तहसील कार्यालय, ब्लॉक कार्यालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मल्हीपुर थाना आदि जरूरी स्थानों पर आने के लिए लगभग 40 किलोमीटर का अतिरिक्त सफर तय करना पड़ रहा है। इस अतिरिक्त सफर के कारण ग्रामीणों को न केवल अधिक समय लग रहा है, बल्कि उन्हें अधिक किराया भी खर्च करना पड़ रहा है। इसके बावजूद यदि किसी कारणवश उनका कार्य पूर्ण नहीं हो पाता, तो उन्हें अगले दिन फिर से इसी लंबी यात्रा का सामना करना पड़ता है। एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी प्रशासन की ओर से क्षतिग्रस्त मार्ग की मरम्मत के लिए कोई कार्य नहीं शुरू कराया गया है। ग्रामीणों को आवागमन में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने लक्ष्मनपुर कोठी स्थित राप्ती बैराज पर पहुंच कर बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों का निरीक्षण किया था। मुख्यमंत्री ने मार्ग क्षतिग्रस्त होने पर उसे सुदृढ़ करने का निर्देश उच्च अधिकारियों को दिया था। भिनगा मल्हीपुर मार्ग क्षतिग्रस्त होने से लोगों को कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। मल्हीपुर के लोगों को भिनगा पहुंचने के लिए मल्हीपुर से बदला और वहीं से बरदेहरा होते हुए भिनगा पहुंचना पड़ रहा है। इसी तरह से भिनगा से मल्हीपुर जाने के लिए भी यही रास्ते से जाना पड़ता है। मल्हीपुर से करीब पांच किलोमीटर की दूरी पर बसे अशरफ नगर के लोगों को मल्हीपुर पहुंचने के लिए करीब 60 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है।

बंगाल में लागू हो राष्ट्रपति शासन, पं कल्किराम ने शुरू किया मौन अनशन

–भारतीय बस्ती संवाददाता– अयोध्या । वर्ष 2014से चल रहे धार्मिक अनुष्ठान के बीच पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार 15 जुलाई सोमवार सायं 7 बजे श्रीराम जन्मभूमि पर विराजमान श्रीराम लला सरकार को साक्षी मान सनातन समाज और मानवता के हितार्थ बंगाल राज्य मे राष्ट्रपति शासन लागू कर अवैध रूप से बसाए गए रोहिंग्या बांग्लादेशी आतंकियों को बलपूर्वक भारत की सीमा से बाहर खदेड़ने की मांग करते हुए मौन अनशन शुरू किया गया उससे पूर्व रविवार की मध्य रात्रि में श्रीराम जन्मभूमि मुख्यद्वार से महामहिम राष्ट्रपति महोदया और माननीय प्रधानमंत्रीजी को सम्बोधित ज्ञापन सोशल मीडिया के अपने ट्विटर अकाउंट से भेजा गया। उपरोक्त जानकारी देते हुए रामादल अध्यक्ष पण्डित कल्कि राम ने कहा कि बंगाल राज्य सनातनी भाई बहनों के लिए नरक बन चुका है जिन रोहिंग्या बांग्लादेशी आतंकियों ने म्यांमार में हिन्दू बौद्धों का नरसंहार किया और वहां से भगाए गए उन्हें बंगाल राज्य सरकार ने अवैध रूप से भारतीय नागरिकता के दस्तावेज उपलब्ध कराकर गलत तरीके से बसाया आज वही रोहिंग्या बांग्लादेशी राक्षस कोहराम मचाए हुए हैं जिन्हे बंगाल राज्य सरकार का पूरा संरक्षण प्राप्त है लेकिन इसकी कहीं कोई चर्चा नहीं हो रही है यह अत्यन्त पीड़ादायक और चिंताजनक है।बंगाल राज्य सरकार के भारत विरोधी कृत्यों पर महामहिम राष्ट्रपति महोदया और माननीय प्रधानमंत्री जी का ध्यान आकृष्ट कराने हेतु मौन धारण कर भगवती महा सरस्वती जी का आवाहन किया जा रहा है।

फर्जी जन्म प्रमाणपत्र, आधारकार्ड बनाने वाले दो ग्राहक सेवा केंद्र संचालक गिरफ्तार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। एसओजी, सर्विलांस सेल व शोहरतगढ़ पुलिस ने मंगलवार को शोहरतगढ़ थाना के कोटिया बाजार कस्बा से दो ग्राहक सेवा केंद्र संचालकों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से बड़ी संख्या में फर्जी जन्म प्रमाणपत्र व आधारकार्ड और उपकरण बरामद किए हैं। आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

एसपी प्राची सिंह ने बताया कि सोशल मीडिया प्लेटफार्म से सूचना प्राप्त हुई थी भारत–नेपाल सीमा पर कुछ ग्राहक सेवा केंद्र संचालकों की ओर से फर्जी जन्म प्रमाणपत्र व आधारकार्ड बनाने का धंधा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मामले के खुलासे के लिए एसओजी, सर्विलांस सेल व शोहरतगढ़ पुलिस को लगाया गया था। मंगलवार को शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र के कोटिया बाजार कस्बा के एबी टेलीकॉम ग्राहक सेवा केंद्र पर छापा मारा गया तो वहां पर संचालक केश कुमार यादव पुत्र चंदे निवासी पैकीखास थाना शोहरतगढ़ व बढ़नी कस्बा में नूर ग्राहक सेवा केंद्र का संचालक नूर आलम पुत्र मोहम्मद नसीर निवासी दुधवनिया बुजुर्ग थाना ढेबरुआ मिला। ग्राहक सेवा केंद्र की तालाशी ली गई तो मौके से 10 फर्जी जन्म प्रमाणपत्र, 47 फर्जी आधारकार्ड, 20 विजटिंग कार्ड, तीन लैपटाप, चार प्रिंटर, एक लैमिनेटर व दो मोबाइल बरामद हुआ। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार दोनों आरोपियों के खिलाफ धारा 319(2), 318(4), 338, 336(3), 340(2) बीएनएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

सुबह से निकली तेज धूप ने बढ़ाई गर्मी व उमस

संवाददाता–संतकबीरनगर। कड़ाके की धूप ने वातावरण को पूरी तरह से गर्म कर दिया। सुबह से ही तेज धूप निकली। इसकी वजह से मंगलवार को तापमान 37 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। पूरे दिन बारिश नहीं हुई और अभी आसार भी नहीं दिख रहे हैं। बारिश न होने की वजह से लोगों ने अपने जरूरी काम काज निपटाए। लेकिन धूप के साथ हुई उमस ने सभी को परेशान कर दिया। इसी के साथ खेती किसानी के कार्यों में तेजी आई। धान की रोपाई ने रफ्तार पकड़ी। किसानों का कहना है कि अभी एक सप्ताह बरसात न हो तो ही ठीक है।

जुलाई माह का प्रथम सप्ताह बारिश के नाम रहा। इस सप्ताह लगातार बारिश होती रही। दूसरे सप्ताह में कभी–कभार बारिश हुई। सोमवार को बारिश बिल्कुल नहीं हुई। इससे लोगों ने राहत की सांस ली। सुबह से ही बादल छंट गए। धूप निकली तो लोग जरूरी काम काज निपटाने लगे। प्रतिदिन के कपड़े से लेकर रजाई गद्दा तक छतों पर सुखाते नजर आए। इस दौरान लोगों को उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ा। उमस भरी गर्मी ने लोगों के खूब बेहाल किया। धूप निकलने से सभी घरों के लोग अपने कपड़ों के साथ साथ गेहूं और दाल भी सुखाए।

सोमवार को अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस रहा। वातावारण में आर्द्रता 84 प्रतिशत रिकार्ड की गई। इसकी वजह से लोगों को उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ा। 'आगामी 24 घंटे के दौरान आसमान में मध्यम से भारी बादल छाए रहेंगे। कुछ स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है। तापमान 35 से 39 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रहेगा हवाएं पूर्वी चलने के आसार हैं।

रुपये के लेनदेन के विवाद में फायरिंग, आरोपी की बाइक फूंकी

संवाददाता–संतकबीरनगर। खलीलाबाद शहर के औद्योगिक क्षेत्र में सोमवार की रात हाईवे के किनारे चार हजार रुपये के लेनदेन के विवाद में फायरिंग हो गई। हालांकि, कोई हताहत नहीं हुआ। जिस युवक पर फायरिंग करने का आरोप लगा है, उसकी बाइक फूंक दी गई। इस घटना से आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। आला पुलिस अधिकारी तफ्तीश में जुटे हैं।

कोतवाली क्षेत्र के बनकटिया निवासी ऋषभ सिंह पुत्र राजेश सिंह का आरोप है कि बीते अप्रैल महीने में उन्होंने ऊनखास उर्फ ओनिया के रहने वाले अपने एक दोस्त से दूसरे दोस्त को सात हजार रुपये उधार दिलवाए थे। उसमें से तीन हजार रुपये उसे वापस मिल गए थे। बाकी चार हजार रुपये को लेकर जून में फोन पर दोस्त से उसकी कहासुनी हुई थी। बगिहया में ऋषभ सिंह का प्रिंटिंग प्रेस है। बताया गया कि फोन पर वार्ता के बाद ऊनखास उर्फ ओनिया के दोस्त को लेनदेन के मामले में बातचीत करने के लिए प्रिंटिंग प्रेस पर बुलाया। प्रेस पर ऋषभ सिंह और बंजरिया पूर्वी के रहने वाले उसके दोस्त युवराज सिंह पुत्र सुरेश सिंह मौजूद थे। आरोप है कि रात आठ बजे बाइक से ऊनखास उर्फ ओनिया का रहने वाला दोस्त पहुंचा और कहासुनी के बाद फायरिंग शुरू कर दी। गोली से बचने के लिए युवराज सिंह बगिहया मोहल्ले की तरफ भागा। इस दौरान करीब चार–पांच राउंड फायरिंग हुई, जिसमें युवराज सिंह बाल–बाल बचा। भीड़ जुटने लगी तो फायरिंग करने वाला युवक मौके पर बाइक छोड़कर लाल रंग की बाइक से जा रहे दो युवकों के साथ भाग गया। आक्रोशित भीड़ ने उसकी बाइक फूंक दी। सूचना पर एसपी, एएसपी, सीओ, कोतवाल और औद्योगिक क्षेत्र चौकी इंचार्ज मौके पर पहुंचे। सीओ सदर ब्रजेश सिंह का कहना है कि ऋषभ सिंह और युवराज सिंह उक्त घटनाक्रम बता रहे हैं। अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। मामले की जांच की जा रही है।

जनपद में 1324 लोगों ने किया पीएम सूर्य घर के तहत आवेदन

संवाददाता–संतकबीरनगर। जनपद में अब लोग पीएम सूर्य योजना को लाभ लेना शुरू कर दिए हैं। पांच माह बाद जिले में 1324 लोगों ने इस योजना के तहत आनलाइन आवेदन किया है। लेकिन अब तक 22 लोगों के घरों पर यह योजना पहुंच पाई है। अब इस सोलर पैनल के लग जाने से उपभोक्ता को तो बिजली का भरपूर फायदा मिलेगा ही साथ ही बिजली विभाग को भी बिजली सप्लाई दी जा सकेगी। ऐसे में अब लोगों के लिए यह योजना मुफीद साबित हो रही है।

पीएम सूर्य घर योजना के तहत घर–घर मुफ्त बिजली पहुंचाना है। इस योजना की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 फरवरी 2024 को की थी। योजना के तहत उपभोक्ताओं को अपनी छतों पर सोलर पैनल लगाने के लिए सब्सिडी सरकार के द्वारा दी जा रही है। सब्सिडी सोलर पैनल की लागत का 40 फीसद तक कवर करेगी। योजना के तहत लोगों के घरों पर सोलर पैनल लग रहे हैं। जिससे उन्हें 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली का लाभ मिलेगा। साथ ही जो अतिरिक्त बिजली पैदा होगी उसको बेच सकते हैं। खलीलाबाद डिवीजन में 800 लोगों ने इस योजना के तहत आनलाइन आवेदन किया था। यहां पर 20 लोगों के घरों पर सोलर पैनल लग भी चुके हैं। वहीं मेहदावल डिवीजन में 524 लोगों ने आवेदन किया है। यहां पर महज दो ही आवेदकों के घरों पर यह पैनल लगा है। इस योजना की सबसे खास बात यह है कि आवेदक को आनलाइन अपने वेंडर को चुनना है ताकि वे अपने हिसाब से सोलर पैनल को लगा सकें। रमेश कुमार सिंह अधिशाषी अभियंता ने कहा कि इस योजना के तहत जिन लोगों ने आवेदन किया है, उन सभी को हमारे विभाग ने स्वीकृत दे दी है। लेकिन वेंडर के स्तर से लापरवाही की जा रही है। जिन लोगों ने आवेदन किया है सभी के यहां जल्द से जल्द सोलर पैनल लग जाएंगे। लोगों को अधिक से अधिक इसका लाभ उठाना चाहिए।

घर से निकला था पंजाब के लिए, शहर के जमुआर नाला में मिला शव

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। शहर के बीच से बहे जमुआर नाला पुल के पास सोमवार शाम कुछ कपड़े व एक आधार कार्ड मिला था। पुलिस ने शक के आधार पर युवक के परिजनों से संपर्क कर मंगलवार को शव गोताखोरों की मदद से बरामद कर लिया। शव बरामद होते ही कोहराम मच गया। मृतक के परिजनों का कहना है वह बीस दिन पहले पंजाब जाने को कह कर निकला था और उसका मंगलवार को यहां शव मिला।

मोहाना थाना के पननी गांव निवासी सोहित (27) पुत्र लल्लू का गांव में कुछ लोगों से विवाद हो गया था। दूसरे पक्ष ने थाना पर तहरीर दे दी थी। बाद में सुलह हो गया था। उसके बाद सोहित पंजाब जाने के लिए निकला था लेकिन उसका शव शहर के जमुआर नाला से मंगलवार को बरामद हुआ। सोमवार देर शाम किसी ने नाले के किनारे कुछ कपड़े व आधार कार्ड पड़े देखे तो सिद्धार्थनगर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आधारकार्ड के आधार पर मोहाना थाना की पुलिस से संपर्क किया। वहां की पुलिस ने युवक के परिजनों से संपर्क किया तो बताया गया कि वह पंजाब गया है। पुलिस को शक हुआ कि अगर वह बाहर गया है तो उसके कपड़े और आधारकार्ड यहां कैसे आए। सोमवार को अधिक रात होने की वजह से पुलिस ने तलाश नहीं की लेकिन मंगलवार की सुबह से ही स्टीमर से सर्च आपरेशन चलाया। करीब दो घंटे के सर्च आपरेशन के बाद पुल के पास से उसका शव बरामद हो गया। इस बीच युवक के परिजन भी मौके पर पहुंच गए। शव मिलते ही कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। थानाध्यक्ष गौरव सिंह ने बताया कि नाला किनारे मिले आधारकार्ड व कपड़ों के आधार पर सर्च आपरेशन चलाकर शव बरामद कर लिया गया है। पोस्टमॉर्टम के लिए शव भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वजह बताई जा सकती है। शहर से होकर बहे जमुआर नाला में भीषण बाढ़ है। जिधर नजर दौड़ाई जाए पानी ही पानी नजर आ रहा है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि युवक वहां क्यों आया। उसका कपड़ा व आधारकार्ड भी नाला के किनारे मिला। अगर वह नहाने गया था तो इतनी बाढ़ में हर तरफ पानी है किसी सुरक्षित स्थान पर स्नान कर लेता। बहरहाल पुलिस शव मिलने के बाद हर पहलू पर नजर बनाए हुए है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से बहुत कुछ साफ हो सकता है।

रिश्वत में पकड़ा गया आरोपी चकबंदी लेखपाल निलंबित

संवाददाता–संतकबीरनगर। बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी अजय प्रकाश दीक्षित ने रिश्वत में पकड़े गए आरोपी चकबंदी लेखपाल रविशंकर शर्मा को निलंबित कर दिया। निलंबित लेखपाल को सीओ चकबंदी धनघटा के कार्यालय से संबंद्ध किया गया है। वर्तमान में निलंबित आरोपी लेखपाल गोरखपुर जेल में निरुद्ध है।

कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के मोहम्मदपुर कठार गांव निवासी संतोष कुमार पुत्र स्वर्गीय रामदेव ने पांच जुलाई 2024 को गोरखपुर विजिलेंस विभाग के कार्यालय में लिखित शिकायत की थी। शिकायत थी कि उसके गांव में 15 वर्ष से चकबंदी प्रक्रिया चल रही है। सीओ चकबंदी खलीलाबाद के जरिए जो नया गाटा संख्या आवंटित हुआ था, उसका आदेश नहीं मिला तो उसके पिता ने सीओ चकबंदी की कोर्ट में वाद दायर किया। पिता के जीवित रहने के दौरान से ही वह सीओ चकबंदी कोर्ट में मुकदमे की पैरवी कर रहा है। उक्त पत्रावली पर आख्या लगाने के नाम पर चकबंदी लेखपाल रविशंकर शर्मा उससे घूस मांग रहे है। विजिलेंस टीम ने 12 जुलाई को पुरानी तहसील खलीलाबाद से शिकायतकर्ता से सात हजार रुपये घूस लेते चकबंदी लेखपाल रविशंकर शर्मा को रंगे हाथ पकड़ा था। उसके बाद उत्तर प्रदेश सतर्कता अधिष्ठान थाना गोरखपुर में आरोपी चकबंदी लेखपाल रविशंकर शर्मा के खिलाफ केस दर्ज करते हुए 13 जुलाई को गोरखपुर जिला जेल भेज दिया। बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी अजय प्रकाश दीक्षित ने बताया कि रिश्वत में पकड़े गए आरोपी लेखपाल रविशंकर शर्मा को तत्काल प्रभाव से सोमवार को निलंबित कर दिया गया। निलंबित लेखपाल को सीओ चकबंदी धनघटा के कार्यालय से संबंद्ध किया गया है।

उर्वरकों की कालाबाजारी करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में उर्वरकों की कोई कमी नहीं है। खरीफ फसल के लिए जिले में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक मौजूद है। दुकानदार यदि उर्वरक की कालाबाजारी करते हैं तो उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। यदि किसी क्षेत्र में उर्वरक नहीं मिल रही है तो किसान फौरी तौर पर इसकी शिकायत करें। इसके लिए 7839882274 पर कंट्रोल रूम स्थापित कर दिया गया है। जिला कृषि अधिकारी डा. सर्वेश कुमार यादव ने बताया कि जिले के किसानों को गुणवत्तायुक्त खाद मुहैया कराने के लिए नियमित रूप से बाजार पर नजर रखी जा रही है। खाद की कालाबाजारी व मिलावट को रोकने के लिए छापेमारी की जा रही है। यह कार्रवाई नियमित रूप से चलती रहती है। जिस भी उर्वरक विक्रेता के स्टाक पर संदेह होगा वहां से उर्वरकों का नमूना सील कर जांच के लिए प्रदेश स्तरीय लैब में भेजा जाएगा।

जिले में लगेंगे 29.97 लाख पौधे, डीएम ने की समीक्षा

संवाददाता–संतकबीरनगर। डीएम महेन्द्र सिंह तंवर ने कहा कि इस बार जिले में 29.97 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य है। पौधरोपण तैयारी के बारे में डीएम ने जानकारी ली। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ रामानुज कन्नौजिया, प्रभागीय वनाधिकारी अशोक कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक शशि शेखर सिंह आदि मौजूद रहे।

बैठक में जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी विभागध्यक्षों को लक्ष्य के अनुरूप स्थल–प्रतिशत वृक्षारोपण के कार्य योजना बनाकर 20 जुलाई 2024 को पौध रोपण करते हुए उसकी जियो टैगिंग करने तथा हरितिमा अमृत वन मोबाइल ऐप पर अपलोड करने का निर्देश दिया। उन्होंने पौधों को रोपित किए जाने के लिए स्थलों का चयन करते हुए गड्ढों की खुदाई का कार्य तथा वन विभाग से पौधे की उठान अपने लक्ष्य के अनुरूप करते हुए पौधरोपण के लिए सभी आवश्यक तैयारियों को पूर्ण कर लेने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सभी सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वृक्षारोपण कार्यक्रम में किसी भी प्रकार की लापरवाही करने वाले अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने एनएसएस, रोटरी क्लब, एनसीसी, एफपीओ तथा स्वयं सहायता समूह द्वारा लगाए जाने वाले पौधों की मॉनीटरिंग किए जाने वाले अलग–अलग नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाने के भी निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि पौधारोपण कार्यक्रम के संबंध में जनप्रतिनिधि गणों को इसकी सूचना के साथ आमंत्रित किया जाए। उन्होंने कहा कि पौधरोपण कार्यक्रम में जन सहभागिता को प्राथमिकता दी जाए तथा 'एक पेड़ मां के नाम थीम पर रोपित किए जाने वाले पौधों को अभियान के रूप में चलाने हेतु जनपद के युवा वर्गों का विशेष तौर पर सहयोग लिया जाए।

प्रभागीय वनाधिकारी द्वारा बताया कि इस वर्ष 2024–25 में वृहद वृक्षारोपण हेतु जनपद में कुल 29,97,774 पौधे रोपित किए जाने है, जिसमें 12,35,200 पौधों का रोपण वन विभाग द्वारा किया जाएगा। शेष अन्य विभागों द्वारा 17,62,574 पौधो का रोपण अभियान चला कर किया जाना है। उन्होंने बताया कि विभाग वृक्षारोपण का लक्ष्य निर्धारित कर दिया गया है। बैठक में जिलाधिकारी ने पर्यावरण की सुरक्षा के संबंध में जनपद में औद्योगिक इकाईयों से होने वाले प्रदूषण को रोकने के दृष्टिगत प्रदूषण नियंत्रण प्लान्ट से सम्बंधित रिपोर्ट भी मांगी गई। इस दौरान डीसी मनरेगा डॉ प्रभात द्विवेदी, पीडी संजय कुमार, अपर उप जिलाधिकारी अरुण कुमार वर्मा, उप जिलाधिकारी सदर शैलेश कुमार दूबे, उप जिलाधिकारी धनघटा रमेश चन्द्र, उप जिलाधिकारी मेंहदावल उत्कर्ष श्रीवास्तव, उप जिलाधिकारी संजीव राय, उप जिलाधिकारी सुनील कुमार, उप कृषि निदेशक राकेश कुमार सिंह, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी अजय कुमार श्रीवास्तव, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमित कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

संयुक्त शिक्षा निदेशक ने राजकीय कालेज के प्रधानाचार्यो को कराया कर्तव्य बोध

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। संयुक्त शिक्षा निदेशक (जेडी) अयोध्या मंडल योगेंद्र सिंह ने मंगलवार को जिले के राजकीय इंटर कालेजों के प्रधानाचार्यों के साथ विभागीय योजनाओं और कार्यक्रमों की समीक्षा की। नगर के सेंट पीटर्स इंटर कॉलेज में आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने ने प्रधानाचार्य को कर्तव्य बोध कराया। कहा कि विद्यालयों में गुणवत्त परक शिक्षा पर जोर दिया जाए। जनपद के दौरे पर आए संयुक्त शिक्षा निदेशक ने समीक्षा बैठक के दौरान सरकार द्वारा चलाई जा रही शिक्षा विभाग से जुडी विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जिस भी विद्यालय के तहत विद्यालय में काम कराया जा रहा है उसका निरंतर पर्यवेक्षण करते रहें। इससे कार्यो की गुणवत्ता बनी रहेगी। कई प्रधानाचार्यों को विद्यालय में होने वाले कार्यों के बारे में जानकारी न होने पर उन्होंने नाराजगी भी प्रकट की। ग्रीष्म अवकाश के बाद विद्यालय पुनः संचालित होने पर उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक नामांकन पर ध्यान दिया जाए। इसके अलावा शैक्षिक पंचांग के अनुसार विद्यालयों में पठन–पाठन का कार्य किया जाए। विद्यालयों के शिक्षण कक्ष, प्रधानाचार्य कक्ष और शिक्षकों के कक्ष साफ सुथरे और सुंदर होने चाहिए। राजकीय विद्यालयों में बन रहे मल्टीपरपज हाल, पुस्तकालय और अतिरिक्त कक्ष के निर्माण की भी उन्होंने समीक्षा की। कहा की कार्यदाई संस्थाओं के अभियंताओं से लगातार संपर्क में रहे किसी तरह की गड़बड़ी होने पर इसकी शिकायत उच्च अधिकारियों से भी करें। विद्यालय में नामांकन संख्या के सापेक्ष कम उपस्थिति पर भी उन्होंने कहा कि अभिभावकों से संपर्क करें और उन्हें शिक्षा के महत्व की जानकारी देते हुए विद्यालय आने के लिए प्रेरित करें। इसे पहले जिले में पहुंचने पर सेंट पीटर्स विद्यालय के प्रधानाचार्य फादर विल्सन और वरिष्ठ शिक्षक आलोक पाठक ने बुके देकर स्वागत किया। बच्चों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। समीक्षा बैठक की शुरुआत संयुक्त शिक्षा निदेशक ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ किया। राजकीय विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के अलावा जिला विद्यालय निरीक्षक गिरीश कुमार सिंह ने भी उनका स्वागत किया और स्मृति चिन्ह भेंट किया।

एसएसपी ने पुलिस ऑफिस पर किया पौधरोपण

गोरखपुर–सवाददाता। पुलिस अधीक्षक डॉक्टर गौरव ग्रोवर ने पुलिस ऑफिस प्रांगण में मंगलवार को पौधरोपण किया। पुलिस अधीक्षक नगर कृष्ण बिश्नोई, डीएफओ विकास यादव और पुलिस अधीक्षक उत्तरी जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने भी पौधे लगाए।

एसएसपी गौरव ग्रोवर ने पौधरोपण के बाद कहा कि पौधरोपण कर पौधे की सुरक्षा करना बेहद जरूरी है। एसएसपी ने पर्यावरण को बचाने का संदेश दिया पुलिस ऑफिस पर आम बरगद व नीम का पेड़ लगाकर उन्होंने पौध रोपण अभियान की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि विश्व स्तर पर ग्लोबल वार्मिंग बढ़ रही है इसलिए उससे बचने के लिए हमें अधिक से अधिक पौधारोपण करना चाहिए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पेड़– पौधों का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। उन्होंने कहा कि पेड़ पौधे जहां हमारे स्वस्थ जीवन के लिए जरूरी है वहीं अनेक प्रकार की औषधियां भी प्रदान करते हैं। पुलिस जवानों से कहा कि उन्हें भी एक पौधा अवश्य लगाकर उसकी देखभाल करनी चाहिए। अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाने का आह्वान करते हुए कहा कि आज लगाए गए पौधे कल पेड़ होंगे तो खुद के मन को भी शांति मिलेगी। इसलिए पौधे जरूर लगाएं।

राप्ती नदी में उतराई मिली बालिका की लाश

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। गोल्हौरा थाना क्षेत्र के गदुरहिया–मेंचुका के बीच राप्ती नदी में मंगलवार को 10 वर्षीय बालिका की लाश मिली है। ग्राम प्रहरी की सूचना पर गोल्हौरा थाने की पुलिस ने नदी से शव निकलवाकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मंगलवार सुबह लगभग 10 बजे राप्ती नदी में गदुरहिया के समीप एक शव उतराता दिखा। किसी ने इसकी सूचना पुलिस को दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने नदी से शव को बाहर निकलवाया। थाना प्रभारी अरविंद कुमार गुप्त ने बताया कि 10 वर्षीय बालिका का शव मिला है। बालिका लाल रंग का फ्राक व लेगी पहने है। इसकी शिनाख्त नहीं हो पायी है। पहचान के लिए शव को जिला अस्पताल में रखा गया है।

अब किसी भी जिले से करा सकेंगे वाहन फिटनेस

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। वाहन की फिटनेस के लिए परिवहन विभाग में एनीवेयर वाहन फिटनेस व्यवस्था लागू कर दी गई है। यदि वाहन फिटनेस खराब हो गई है और वाहन किसी और जनपद में है तो उसी जनपद के एआरटीओ कार्यालय में जाकर अपने वाहन की फिटनेस करवा सकेंगे। नयी व्यवस्था के तहत अब किसी भी जिले में वाहन फिटनेस करायी जा सकती है। जबकि इसके पहले वाहन फिटनेस के लिए वाहन को अपने ही जिले में लेजाकर फिटनेस करानी पड़ती थी। जनपद में पांच लाख से अधिक वाहन पंजीकृत हैं। इसमें करीब डेढ़ लाख व्यवसायिक और 1200 स्कूली वाहन भी हैं। इनका फिटनेस परीक्षण कराया जाता है। विभाग के अनुसार यदि वाहन गैरजनपद में पहुंचा है तो फिटनेस जांच के लिए वाहन स्वामी को दो भागों में शुल्क जमा करना पड़ेगा। एक भाग का शुल्क उक्त जिले के संभागीय परिवहन कार्यालय में जमा करना होगा, जहां वाहन मौजूद है, वहीं दूसरा भाग वाहन परीक्षण के लिए होगा। संबंधित जिले के अधिकारी ऐसे वाहन की फिटनेस की जांच प्रारूप संख्या 38 के बजाय नए प्रारूप 38ए पर करते हुए परीक्षण रिपोर्ट दर्ज करेंगे। इस रिपोर्ट की तीन प्रतियां होंगी। एकप्रति विभाग के सिस्टम में अपलोड की जाएगी। जबकि दूसरी प्रति को 30 दिन के भीतर मूल कार्यालय में जमा करना होगा। वहीं तीसरी प्रति वाहन स्वामी के पास रहेगी। साथ ही शुल्क का दूसरा भाग ऑनलाइन जमा करने के बाद कार्यालय में रसीद जमा करनी होगी। आवेदक को वाहन फिटनेस के लिए पोर्टल पर आनलाइन आवेदन करना होगा। जिले का चयन करने के साथ ही जरूरी दस्तावेज भी अपलोड करने होंगे। इसके उपरान्त अधिकारी एप के माध्यम से निरीक्षण करेंगे। फिर निर्धारित तिथि फिटनेस की जांच के लिए वाहन को बुलाया जाएगा। जांचोपरान्त प्रमाण पत्र दे दिया जाएगा। सत्येन्द्र कुमार यादव, एआरटीआ ने कहा कि 'वाहन फिटनेस की नई व्यवस्था लागू हो गई है। फिटनेस परीक्षण के बाद जिस जिले का वाहन होगा, वहां के परिवहन कार्यालय में जमा करना होगा। इसके लिए वाहन स्वामी को कार्यालय में स्वयं आना पड़ेगा।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0 T 202217140312474

अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी न्यायिक बस्ती जिला–बस्ती

श्रवण कुमार आदि

बनाम

सत्याराम

4. रामरंग पुत्र राजबली 5. कृष्णावती पत्नी तुलसीराम 6. सुनीता पत्नी रमेश चन्द्र 7. उर्मिला पत्नी सियाराम साकिनान मौजा चमरौहा सियरापार तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 24–07–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिश बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 24 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रर समायत अपील

वाद सं0 C 201717000000908

अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त (प्रशासन) बस्ती मण्डल बस्ती जिला–बस्ती

हिरावन

बनाम

नूर मोहम्मद आदि

1. नूर मोहम्मद पुत्र जंगली 2. घूरे 3. मंहगी 4. करवल पुत्रगण होसिलदार साकिन चांदाबुजुर्ग तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 23–08–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिया महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमे में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 23 महीना 08 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख 16 माह 07 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

विपक्षी व्यक्ति के नाम नोटिस (धारा–63 अनुसूची–5 प्रपत्र सं0–1)

न्यायालय– श्रीमान अपर प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय बस्ती जिला–बस्ती

प्र0 फौ0 वाद सं0 50 / 11 / 2023

थाना–गौर

जिला–बस्ती

साबिरा खातून आदि

बनाम

मोहम्मद शब्बीर

तारीख पेशी 17–08–2024

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 125 सी0आर0पी0सी0

विपक्षी–मोहम्मद शब्बीर उम्र लगभग 31 वर्ष पुत्र रहीमुद्दीन साकिन जमदाशाही पोस्ट जमदाशाही थाना वाल्टरगंज जिला–बस्ती

विपक्षी के नाम

चूंकि आपकी उपस्थिति 125 सी. आर.पी.सी. के अपराध का उत्तर देने के लिए आवश्यक है अतएव आपको एतत द्वारा आदेश दिया जाता है कि स्वयं / अधिवक्ता द्वारा उपयुक्त न्यायालय के समक्ष सन् 2024 ई0 के 08 मास के 17 दिवस को उपस्थित हो। ऐसा करने में त्रुटि न हो।

सन् 20 ई0 मास के दिवस को हस्ताक्षरित हो।

हस्ताक्षर

अपर प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय बस्ती

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा (आर्डर 22, कायदा 4)

न्यायालय–श्रीमान पंचम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती महोदय जिला–बस्ती

वाद सं0 438 / 2013

रजनी मिश्र

बनाम

कमरूल हसन

उमैर हसन पुत्र कमरुल हसन निवासी जामा मस्जिद रोड पक्का बाजार मोहल्ला गांधीनगर बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 18–09–2024

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 18 माह 09 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुदित एवं प्रकाशित। सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9450567450 9336715406,
ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com